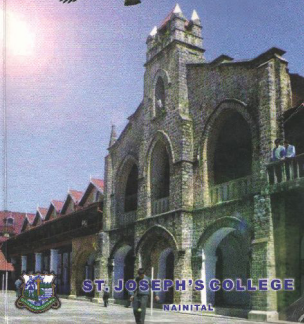


College Review

2008



ST. JOSEPH'S COLLEGE

NAINITAL

COLLEGE REVIEW

2008



ST. JOSEPH'S COLLEGE

NAINITAL

CONDUCTED BY
THE CONGREGATION OF CHRISTIAN BROTHERS

*"This is the potent-uge of new inventions
For killing bodies and for saving souls,
All propagated with the best intentions:
Sir Humphry Davy's lantern by which coals
Are safely mined for in the mode he mentions,
Thimbuctoo travels, voyages to the Poles,
Are ways to benefit mankind, as true,
Perhaps, as shooting them at Waterloo."*

It is interesting to consider the important role played by sulphur in the vituperative language of Shakespearean characters. Hell itself is unimaginable without it. We are able to understand Hamlet when he speaks of a foul and pestilential congregation of vapours, and we know that Othello could not show his remorse in a more complete manner than by asking to be roasted in sulphur and washed away in gulfs of liquid fire. But then, what is there, past or present, that Shakespeare could not express! The well known words in Romeo and Juliet: "Gregory, O my word we'll not carry coals", might well be used these days during a strike by a miner in Wales, Newcastle or Raniganj.

Maybe we shall, in the future, have fewer poems on the skylark and the daffodils, and more odes on such subjects as, melting lead, or the properties of laughing gas! Who knows!

Dr. Peter D Emmanuel

Charity is injurious unless it helps the recipient to become independent of it.

- John D. Rockefeller

मेरा बस्ता

लेकर जाता हूँ विद्यालय,
रोज अपना बस्ता।
नारंगी और हरे रंग का,
मेरा सुन्दर बस्ता।
कापी किताबें या हो टिफिन,
रेमकोट या पेन्सिल।
मेरा बस्ता इतना बड़ा कि
सब हो जाता इसमें फिट।

प्रखर पाठ
कक्षा 1

मेरा बस्ता

मेरे पास दो बस्ते हैं। एक बस्ता लाल और हरे रंग का है जो मैं रोज विद्यालय लेकर जाता हूँ। मेरा दूसरा बस्ता हरे और काले रंग का है जो विद्यालय में ही रहता है। मैं अपने बस्ते में किताबें तथा कामियाँ रखता हूँ। मैं अपने बस्ते में पेन्सिल बॉक्स तथा लन्च बॉक्स रखता हूँ। मैं बस्ते में कहानियों की किताब भी रखता हूँ। मेरे बस्ते में रमाइलपूर्ण वस्तु है। मेरे बस्ते में कई खेल हैं। मेरे बस्ते में कई खेल हैं। मैं अपने बस्ते को अच्छी तरह से रखता हूँ।

सुष्मा शर्मा
कक्षा 1

मेरा प्रिय विषय

हिन्दी मेरी मातृ भाषा है। मुझे हिन्दी विषय अच्छा लगता है। हिन्दी में अच्छी कहानियाँ होती हैं। हिन्दी विषय में सुन्दर कविताएँ होती हैं। हिन्दी भाषा में स्वर और व्यंजन होते हैं। हम हर वर्ष हिन्दी विषय भी मनाने हैं। हम भारतीयों को हिन्दी विषय पढ़ना चाहिए। मेरी हिन्दी विषय की पुस्तक बहुत ही अच्छी है।

यश पाण्डे
कक्षा 2

मेरा प्रिय विषय

मेरा प्रिय विषय अंग्रेजी साहित्य है। मुझे अंग्रेजी पढ़ना बहुत अच्छा लगता है। जैसे ही अंग्रेजी का कैरेक्टर शुरू होता है, मैं बहुत खुश हो जाता हूँ।

हमें अंग्रेजी हमारी कक्षाअध्यापिका ही पढ़ाती हैं। वे बहुत प्यार से हमें पढ़ाती हैं। यदि मुझे कुछ समझ में नहीं आता है तो उनसे पूछ लेता हूँ। वे मेरी प्रत्येक कठिनाई का समाधान बहुत ही प्रेम से करती हैं।

अंग्रेजी ने मुझे पूरे अंक प्राप्त होते हैं। मुझे अंग्रेजी पढ़ने में बहुत मजा आता है।

अनिरुद्ध सिंह
कक्षा 2

कक्षा में बैठने का स्थान

मैं कक्षा में तीसरी पंक्ति में सबसे आगे बैठता हूँ। मेरे साथ मेरा राहबंदी दीपक जोशी बैठता है। आगे बैठने से मैं ध्यानपूर्वक अपने अध्यापिका की बातों को सुन सकता हूँ। रजामण्ड पर लिखी गई प्रश्न जानकारीयों को अच्छी तरह देख सकता हूँ। पहली पंक्ति में बैठने के कारण हमें हर कार्य ध्यानपूर्वक करना पड़ता है। पहली पंक्ति में हम स्वच्छता का रखना रखना पड़ता है। मैं हमेशा अपने मेज की सफाई करता हूँ। मैं अपने मेज और कुर्सी को नहीं रोकता हूँ। कक्षा में मैं अपने बैठने के स्थान को सुव्यवस्थित रखता हूँ। मैं अपने विद्यालय एवं अध्यापिका का आदर करता हूँ।

रवि सुरेश
कक्षा 8 अ

मेरा प्रिय मित्र

मेरे प्रिय मित्र का नाम जुबैर है। वह मेरी ही कक्षा 3अ का छात्र है। वह मुझसे और मैं उससे बहुत स्नेह करते हैं। हम दोनों एक-दूसरे को बली-भांति समझते हैं। मकानान्तर में इन दोनों साथ में ही जीवन करते हैं। अनेक जीवन में विद्यालय में हम साथ-साथ खेलते हैं। त्योहारों में हम अपने-अपने परिवारों के साथ एक दूसरे के घर जाते हैं। प्रत्येक सुख-दुःख में हम एक दूसरे का साथ देते हैं।

हुसुफ जल्दी
कक्षा 3अ

केकी की दुकान सैण्ट जोसफ्स कॉलेज में

केकी की दुकान सैन मे कई वर्षों से है। यह दुकान स्कूल के कैमरा के अंदर डाइनिंग हॉल के कुछ दूरी पर है। केकी की दुकान स्टेशनरी की दुकान के पास में है। बच्चे के अन्दर केकी की दुकान के लिए एक अलग ही पसंदुकता रहती है। लम्बे ब्रेक में बच्चे केकी की दुकान पर नीबू लगाये सामान खरीदने के लिए अपनी-अपनी बारी के इन्तजार में रहते हैं। केकी की दुकान में केन्डी, पेस्ट्री, पैटीज और बुरन जैसे चीजें मिलती हैं पर मुझे केकी का केक सबसे अच्छा लगता है। बॉइस को हर शुक्रवार केकेट मनी मिलती है। जिसे वे केकी से सामान खरीदते हैं। केकी के खुलने का समय दोपहर बारह बजे से एक बजे तक है। हम सबको केकी बहुत प्रिय है।

शेख पाण्डे
कक्षा 4 अ

बाढ़ का कहर - बिहार में

बिहार में हर साल बाढ़ से बहुत नुकसान होता है। लेकिन इस वर्ष की बाढ़ कुछ अलग थी। चारों तरफ पानी ही पानी था। खेत, खलिहान, मकान, जानवर, सब्जें, फूटें, महिलाएँ सभी बेघर हो गए। सम्भावना में बताया गया कि नेपाल के कुशा बौद्ध में दशरथ के कारण कोशी नदी ने अपना रास्ता बदल दिया व 55 लोग समय से पहले इस संसार को छोड़ गए व बिहार के 2.5 लाख घर बाढ़ से पानी से दूरे गए व बिहार के 25 लाख लोग बेघर हो गए। यह कहा जा रहा है कि इस वर्ष की जैसी बरसात 49 वर्ष पहले हुई थी। यही कारण है कि पंजाब, छत्तीस, आन्ध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड में भी इस वर्ष भारी बाढ़ आई फसलों तथा सम्पत्ति का बहुत नुकसान हुआ। हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने बिहार में चारों तरफ दूधे गोबरों को देखकर इसे पूरे देश की आपदा कहा। एक बार फिर से प्रकृति हमसे नाइयाज हो गई व जान बचाने के लिए भागते लोग, भूख से रोते बच्चे व अलहाबा जमानदारों की पुकार ने सब बताया कि हम प्रकृति की ताकत के आगे बिलाने छोटे हैं। हमें बिहार की बाढ़ से सीख लेकर समय से बचाव के उपाय करने होंगे।

रहेन पासे

कक्षा -4 ग

बीजिंग ओलंपिक खेल

29वें ओलंपिक खेल का आयोजन चीन की राजधानी बीजिंग में हुआ। यह 08-08-2008 को 8 घंटे से राष्ट्रपति प्रारंभ हुआ। राष्ट्रपति रामदेव अत्यधिक मध्य और मनोरंजन पूर्ण था। चीन को संस्कृति, कार्यक्रम तथा आतिशबाजी देखने योग्य तथा अत्यधिक चर्चित करने वाली थी।

सभी देशों के राष्ट्रीय अथल वही आए थे। हमारे देश से श्रीमती सोनिया गांधी यहाँ नईपूर से भारत का तिरंगा सत्यार्जन सटीर के हाथों में था। दूसरे दिन से खेलों का आयोजन प्रारंभ हुआ। जो कि 30-08-2008 तक चला। हमने प्रत्येक दिन दूरदर्शन को द्वारा खेल का आनन्द उठाया। इस में 208 देशों की टीनों ने भाग लिया था। इस वर्ष पदक तालिका में चीन प्रधान स्थान पर रहा तथा यूएसए दूसरे में रही ओलिंपिक फ्लग तीसरे स्थान पर रही। भारत को खिलाड़ियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें अमितव बिन्दा को 130 मीटर शूटिंग पर एक रजत पदक मिला तथा बौक्सिंग में विजेन्द्र को एक स्वर्ण तथा सुनील को कुस्ती में स्वर्ण पदक मिला। इस प्रकार भारत को तीन पदक मिले जो भारत 50वें स्थान पर रहा। यह भारत का पहला इतना अच्छा प्रदर्शन था। जनता स्मारोह में आतिशबाजी व 30वें ओलंपिक आयोजन हेतु लंदन को भेजाल दी गई।

हमारे ब्रदर फिद्सपैट्रिक

ब्रदर टी.पी. फिद्स पैट्रिक एक ऐसा, नाम जिसने शेव्ट जोसफ्स कॉलेज, मैनीराल को प्रतिष्ठित कर दिया। उन्होंने बच्चों की शिक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने 63 वर्ष भारत में बच्चों की व्यक्तित्व शिक्षा देने में लगा दिए। उन्होंने 26 वर्ष कुर्बान, 20 वर्ष मैनीराल और 10 वर्ष दिल्ली में व्यतीत किए। इसके अलावा वह कुछ समय माउंट आबू तथा आरानलोल में भी रहे। वहीं उन्होंने प्रधानाचार्य का दायित्व निभते हुए बच्चों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह जो शेव्ट जोसफ्स कॉलेज मैनीराल में अपना बाकी का जीवन व्यतीत कर रहे हैं। वह अब 88 वर्ष के हैं। उनके सन्धानशील जीवन की 70वीं वर्षगांठ पर हमने उनके लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अवसर पर चर्च में विशेष प्रार्थना की गई। जो नटिका हमने उनकी जीत की, उसका नाम 'ब्रदर फेवर लेडी' था। ये बारह बच्चे से शुरू हुआ। सबसे पहले दो-तीन नटिकाई हुईं और फिर बच्चों ने एक गीत गाया — 'पैट पैट दू द चर्च ऑन टाइम' और फिर समाप्ति के अंश कॉलेज एन्धम के साथ कार्यक्रम पूरा हुआ। मुझे यह बहुत अच्छा लगा।

गुणित पंत
कक्षा 5 ब

विद्यालय का पहला हिन्दी लेखन (कविता)

आ वह विद्यालय में दस वर्ष प्रथम विषय कक्षा में बैठे रहने पर ये हम विद्या।
हम नहीं हिन्दी अध्यापिका से परिचित होने के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे।
आज हम नकली वार साप्ताह से सारे शिक्षकों को चुन रहे थे।
अंततः हमारा लाल इलाजार खत्म हुआ।
जब हमारा पहला हिन्दी विषय प्रारंभ हुआ।
न जाने आज कब पुस्तकों से वह कृपा न की।
पढ़ने की वह किनोदहीन देवता की।
शिक्षिका आई और हम उनके सम्मान में खड़े हो गए।
हमें शिक्षाता न हुआ कि खेलते-खेलते हम कथा पीच के बच्चे, बड़े हो गए।
हमारी शिक्षिका ने कहा कि आज वह नहीं पढ़ाएंगी,
उन मोटी-मोटी पुस्तकों को हाथ न लगाएंगी,
ना ही वह उन किस्तूत घुसकों को छात्रों को रटाएंगी।
आज तो वह केवल छात्रों के नए वर्ष के लिए नियम समझाएंगी।
हमने भी शिक्षिका के इस निर्णय का सम्मर्जन किया,
और धीरे से छात्रों का हाथ कर सका प्रदर्शन किया
मिस लोन्ग ने कहा हम सब प्रभु की संतान हैं, यह
पढ़ाई नहीं हमारा करौख है, एक पवित्र अनुष्ठान है।
उन्होंने हमसे बड़े रनेह रो बात की, और समझाया कि वह हर दम हमारे साथ थी।
हमें अब बहुत आनंद तथा साप्ताह आने लगा था।
हमने निश्चय किया कि हम अब होने पढ़ाई के प्रति उत्तर्णित।
और हर क्षेत्र में जयापल करके करने अपनी सफलता प्रदर्शित।
इतने में एकएक घंटी बज गई।
इस प्रकार हिन्दी कक्षा खत्म हुई।
अब मुझे हिन्दी आत्यधिक प्रिय हो गई।

निशांत पाण्डे
कक्षा 8 ब

नाटक (N.D.)

एक बार एक आदमी साक्षात्कार के लिए गया। इस आदमी को हर बात को छोटे में कहने की आदत थी। इस आदमी को कोई कंपनी के मैनेजर साथ साक्षात्कार में यह कारिलाफ हुआ।

Manager - तुम्हारा नाम क्या है ?

आदमी - सर N.D.

Manager - क्या कहा

आदमी - सर, नातावण दास।

Manager - तुम्हारे पिता का नाम क्या है ?

आदमी - सर, N.D.

Manager - दुबारा कहो।

आदमी - सर, गिरंजय दास।

Manager - तुम्हारे पिता क्या करते हैं ?

आदमी - सर N.D.

Manager - क्या ?

आदमी - सर मेरे पिता News Director हैं।

Manager - तुम कहीं रहते हो ?

आदमी - N.D.

Manager - क्या ? तुम अपने होश में हो ?

आदमी - सर, नई दिल्ली

Manager - पहले तुमने कहीं काम किया है ? अगर किया है तो कौन से Department में ?

आदमी - हाँ सर, N.D. में।

Manager - (गुरुरो रो) क्या तुम्हें N.D. के अलावा भी कुछ अता है ?

आदमी - सर, मेरा मातापिता Naval Department में।

साक्षात्कार यहीं पर खत्म हुआ।

आदमी - सर, तो आपका मेरे बारे में क्या खयाल है ?

Manager - N.D.

आदमी - सर, क्या N.D.

Manager - nil, Duffer.

जयम राम

श्री

शिवम् मेहन

कथा 78

हमारी प्यारी कक्षा

सबसे प्यारी कक्षा हमारी है । हम सुनने पर कहेंगे आप-प्यारी । तीखा-तीखा ।
कई हैं नादान, पर कुछ हैं हद से ज्यादा सीखने,
सुधीर हैं मोला पर यश है बख्शील
रघुवीर की कला का प्रभाव नहीं,
कुनाल और मोहन जीरो का शतरंज में कोई जवाब नहीं,
खेलों में खेगेंद बादशाह पर महाई में मेहुल का है कब्जा
मयंक में है दम पर जगजित भी नहीं किसी से कम ।
गाना सुनना है तो गिहल से सुनो, और बहाना सुनना,
है तो जैरवी और एकजलो सोनल का सुनो ।
यह हमारे विद्यालय की है सबसे प्यारी कक्षा,
ज्यवाहर है यहाँ स्वका अच्छे में अच्छा ।।

कलपीत सिंह

कक्षा 7B

फुटबॉल प्रतियोगिता

देखो फुटबॉल की प्रतियोगिता का समय आया ।
हर बच्चे ने नया जर्साइड लाया ।।
हर बच्चा सलेशन के लिए तैयार था ।
परन्तु हर बच्चा तो सलैक्ट न हो पाया ।।
इस सलेशन ने किसी को हँसाया किसी को रुलाया ।
देखो फुटबॉल की प्रतियोगिता का समय आया ।।
कोच ने हमें अभ्यास के लिए बुलाया ।
कोई आया, कोई नहीं आया ।।
इस बात पर कोच को बहुत गुस्सा आया ।
लेकिन हमको फिर बुलाया । इस बार मैं तो आया ।
पर कोच नहीं आया ।
हमने मैच जीत के दिखाया ।
कोच ने हमें नया पैतरा चिढ़ाया ।।
एक बच्चे को सम्मान न आया ।
इस बात ने उसे खूद रुलाया ।
फिर मैच का दिन आया ।
कोच ने टीम को समझाया ।
सबकी समझ में जीतने का गुर आया
हमने मैच जीत के दिखाया ।
कप्तान टूँ-की लाया ।
यह देखकर कोच मुस्कुराया ।
और हमें भी बड़ा मजा आया ।
देखो प्रतियोगिता को जीतने का समय आया ।

कुलदीप साहू मंगोल

कक्षा 7 B

कविता

कक्षा की शुरुआत में
खुब मस्ती-मौज करी।
अन्यापक से बातें ही,
हमने खूब शिकायत करी।
परेशान होकर भित्त में,
हमारी खूब पिटाई करी।
कक्षा में खोर नया,
कक्षा अध्यापिका आ बैठुसी।
रैमलतलर के ड्रम,
घुमने वाली को मार पड़ी।
लन्ग ड्रेक डींगे ही,
बच्चों ने खाना फेंका दिया।
फिर से बिल के आटे ही,
हमें खूब डींग पड़ी।
हम बदमाशियों को चुनते ही,
डिस्टिपल घर ने हमारी।
दाउन बीकरा केन्सिल करी,
कक्षा आठ ने माजी मीनी।
अब तो उन्हें मार पड़ी,
मार पड़ने पर ही उनकी
अपल में कबल पड़ी।

सुभाष अस्मवाल
कक्षा 8 व

कक्षा हो तो ऐसी-नौ अ जैसी

नौ अ जैसी नहीं कोई कक्षा

हर लड़का है तैयार, करने को एक दूजे की छा।

विश्वास मिटा, अभिनय को बुलवाया,

जगत्प को भेजकर पीटने वाले को मिटवाया।

टैबल हमारी कक्षा का कम्प्युटर,

मुमुल कार्य करे, जैसे बजाज स्कूटर

असीम से नये-नये नाने चुन लें

कामतन के घुटकुली से मन भर लें

फिर आती हैं मायमा की बारी,

इसमें भीरंजय पढ़ते हैं, राव पर नाथी।

शुभम् की फीनिक्स और हर्ष की बालिंग,

सुन गू बिल ती कुछ विवेक पोलिंग।

सुबराज डान्स में अच्छा, भिखिल गिटार में अच्छा

जागता है यह कक्षा का हर बच्चा।

सूदी और गुलाब हमारी कक्षा के पेरा और महेश,

इतना सब के बाद हो जाईंगे खड़े आपके केश।

दिगम्बर दीड़ले हैं बहुत तेज,

बैला में है फुटबॉल का खेल।

अमन दिल का बहुत नेक,

सार्थक को पसंद है चार्लेट कंक।

दिकल्प हमारी कक्षा के हास्य कलाकार,

कार्यक्रम में बुलाते हैं इन्हें बाबबार।

सर्पक खेलते हैं कुल,

शारिक लोड़ले हैं, गेम का रूल।

अभिषेक से सिध्दाइए कुछ वाचक,

और उन्हें पढ़कर हो जाइए डेर।

अगर भेजने हो, दोस्तों को कविजाई वा शेर,

सब बच्चे हमारी कक्षा की शान।

हमारी कक्षा भीड़ी है, जैसे बनारसी पान,

कमलेश्वर सिंह रायल

कक्षा 9 अ

मेरी वृद्ध दादी

मनुष्य जीवन के अधिकतम भाग को पूर्ण हो जाने पर एक व्यक्ति वृद्धावस्था से अवगत होता है। जीवन का यह भाग जिंदगी के अन्त की ओर होता है। इस अवस्था में जीवन की गति धीमी हो जाती है और शरीर नाजुक होने लगता है। इस वक़्त व्यक्ति शुद्धि पाता है और धर्म की ओर आकर्षित हो जाता है। आज के आधुनिक युग में कुछ सौभाग्यवशाली परिवारों में वृद्ध व्यक्ति होते हैं। वृद्धों का परिवार में होना अनिवार्य होता है। वृद्ध लोग ज्ञान एवं प्रेरणा के स्रोत होते हैं। वृद्धावस्था में कुछ व्यक्ति स्वयं को झुलाकर दूसरों पर न्यूँछावर हो जाते हैं। मैं अनेक वृद्धों से अवगत एवं परिचित हुआ हूँ, परन्तु उनमें से मेरी दादी ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया है।

मेरी दादी जी एक आदर्श और गुणवान महिला हैं। उनकी उम्र चौहत्तर वर्ष है। दुर्भाग्य से मेरी दादा जी के न होने के परिणाम भी वे दुःखी न होकर अपने परिवार से रून्ध करती हैं। और हम सभी को ब्याल रखती हैं। वे एक धार्मिक महिला हैं लेकिन उनके विचार प्राचीन नहीं हैं। वे स्वयं को मुलायम अपने परिवार की देखभाल करती हैं। वे ज्ञान एवं विद्या की भण्डार हैं। मैं उनसे ज्ञान प्राप्त करता हूँ। जब भी मुझे कोई परेशानी होती है, मेरी दादी मुझे सहारा देती हैं और मेरी परेशानी दूर कर देती हैं। वे कई जिम्मेदारियों सम्हालती हैं और हमारे परिवार में एक अहम् भूमिका निभाती हैं। जड़ाई में भी मेरी दादी मुझे सहारा देती हैं। हिन्दी और संस्कृत विषय में वे मेरी मदद करती हैं।

प्रातः काल वो तैयार होकर पास के मन्दिर जाकर पूजा करती हैं। पर लौटकर वे सम्भावित पर पढ़ती हैं और उसके पश्चात् नारुता पञ्चने में मेरी माँ की सहायता करती हैं। वो सम्पूर्ण घर को देखभाल करती हैं। सुखी और दुःख में वे हमारा साथ देती हैं। दादी मेरे भोजन और स्वास्थ्य पर सर्वोत्तम ध्यान देती हैं। मेरे बीमार पड़ने पर मेरी दादी मुझे घरेलू उपचार द्वारा स्वस्थ रखती हैं। घर के कर्मा करके वे पूजा सम्पन्न करती हैं और इसके बाद वेद सम्पादन का पाठ करती हैं। वे ईश्वर का शक्तो जीता मानती हैं और भगवान की उपासना करती हैं। शायं काल में वे टेलीविजन पर दिखाए जा रहे धार्मिक कार्यक्रम देखती हैं। मेरी दादी सीधे ही सो जाती हैं। दादी जी से केवल मुझे ही नहीं, पूरा परिवार को बहुत सहारा मिलता है।

मेरी दादी जी परिवार के सबसे उत्तम रखन कर हैं। परिवार के जरूरी और अहम् फैसलों में वे एक अहम् भूमिका निभाती हैं। मेरे परिवार के सभी सदस्य उनसे प्रेरित होते हैं। उनके चरित्र में पवित्र व्यक्ति, सहयोग जैसे अनेक गुण पाये जा सकते हैं। वे स्वयं को न्यूँछावर कर दूसरों को प्रथम स्थान देती हैं। मेरी दादी जी में वह सभी गुण हैं जो एक आदर्श महिला में होने चाहिए। ऐसी महान दादी पाकन में ईश्वर का आभारी हूँ और भगवान से कामना करता हूँ कि हर बच्चे को ऐसी दादी मिले।

अंशल अग्रवाल

कक्षा 9-ए

मेरा शहर मैनीताल

मैं मैनीताल में रहता हूँ। मेरा शहर बहुत ही खूबसूरत है। यह एक पर्यटक नगरी है। मैनीताल शहर चारों ओर से हरे-भरे आकर्षक जंगल से घिरा हुआ है वहीं पर अत्यन्त सुन्दर झील है जो पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मेरे शहर मैनीताल में कई त्रिकुनिक स्थल हैं जैसे हनुमानगढ़ी, टिफिनटॉप, स्नोबू आदि। यह शहर अपने प्रसिद्ध शिक्षण संस्थानों के कारण भी जाना जाता है। यहाँ के शिक्षण संस्थानों से देश की जानी-मानी हस्तियों ने शिक्षा ग्रहण की है।

मेरा शहर अत्यन्त साफ-सुथरा है। वहाँ पर प्रसिद्ध मैना देवी का मन्दिर भी स्थपित है। यहाँ अत्यन्त ईमानदार व सुतरसकृत लोग निवास करते हैं। वहाँ पर मेलों व त्यौहारों का आयोजन भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। प्रतिवर्ष यहाँ पर देश-विदेश से हजारों पर्यटक आते हैं और आनन्द का अनुभव करते हैं तथा यहाँ के प्राकृतिक सौन्दर्य की प्रशंसा करते हुये थकते नहीं हैं। यहाँ की जलवायु भी स्वस्थप्रद है। गर्मियों में यहाँ पर ठण्डी हवाये सबके तन-मन को सुख प्रदान करती है। सर्दियों में होने वाली बर्फबारी का दृश्य पर्यटकों को मन्त्र-मुग्ध कर देता है। यहाँ का सामाजिक परिवेश भी अत्यन्त सरल तथा व सुसंस्कृत है। यहाँ पर सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ पर हमारे राज्य का उच्च न्यायालय भी स्थित है। सभी आवश्यक कार्यालय भी यहाँ स्थित हैं। वहाँ की सुन्दरता को देखकर इसकी तुलना सिटीजर्सलेन्ड से भी जाती है। अतः यह एक आदर्श शहर भी है।

मेरा शहर १४ नवम्बर को विद्यत हुआ था। इसलिए इन अम हर साल इसका जन्मदिन मनाते हैं। इस जाल मेरे शहर को १४९ वर्ष पुरे हुये हैं। मुझे मेरा शहर बहुत ही प्यार है। मैं चाहता हूँ कि मेरा शहर दिन-प्रतिदिन प्रगति करे और आकर्षक बना रहे। हमें अपने शहर को साफ व सुन्दर बनाना है। यहाँ के प्राकृतिक सौन्दर्य को बनाये रखना है ताकि यह शहर अपनी छाप हर आने वाले व्यक्ति पर छोड़ सके तथा अपनी पहचान बना सके।

अन्त में मैं अपने शहर की अनुपम दशा को निम्न शब्दों में व्यक्त करना चाहता हूँ।

मेरा सुन्दर शहर मैनीताल,
इसकी धरोहर यहाँ का ताल,
देश-विदेश में भेरे हैं पहचान,
इसके जाने-माने शिक्षण संस्थान,
मेरा शहर है चारों तरफ से हरा-भरा,
पर्यटक उठाते हैं इसका लुप्त दूर-पूरा,
मेरा शहर है बहुत ही प्यारा,
मुझे यह है बहुत ही प्यारा,
हमें इसे सुन्दर बनाना है,
इसका पर्यावरण बचाना है,

Geni Diary



मेरा शहर है शमी सुविधाओं से युक्त,
 यहीं का वातावरण है बिलकुल भव भुक्त,
 मैं चाहता हूँ मेरा शहर ऐसा ही बना रहे,
 इसका रूप—जीवन सुरक्षित रहे,
 यह निरन्तर प्रगति करे,
 हमें सुख—समृद्धि प्रदान करे,
 हम करें इसका गुणगान,
 और बढ़ावें इसका मान ।”

अखिल एनेस
 पदा ७२

मेरे जीवन का ध्येय

मानव जीवन प्रकृति का वह अनमोल उपहार है जिसका प्रत्येक व्यक्ति अधिकारपूर्वक है। बिना लक्ष्य निर्धारित करके जीवन जीना उस जीव के समान है जिसका संतान अज्ञात है और वह केवल वायु के प्रवाह पर निर्भर है। विद्यार्थी जीवन मनुष्य जीवन—करण का एक ऐसा पड़ाव है जहाँ उसे अपने लक्ष्य को सुनियोजित करना पड़ता है। किन्तु यह सत्य नहीं कि इस विशाल जीवन की नींव हमेशा सही पथ अतः यहीं पर हमें अर्जुन से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिस प्रकार लक्ष्य भेदन के समय अर्जुन को गजद्वी की आँख के जलपा कुछ नहीं दिखा उसी प्रकार हमें भी एक ध्येय बनाकर उसे पाने के लिए प्रयास करना चाहिए। आज के इस प्रगतिशील युग में प्रत्येक मनुष्य पर मानसिक प्रभाव है। मेरा ध्येय एक मन-व्यक्तिगत बनने का है ताकि मैं मनुष्य को इस मानसिक दबाव से दूर कर सकूँ।

आज का युग परेसोनिये से घिरा हुआ है। इस प्रगतिशील युग में कठिन परिस्थितियों ने मनुष्य के जीवन में नीरसता भर दी है। असीमित अभिलाषाओं को पूरा करने में हमेशा सफल नहीं होते इसका कारण तनाव उत्पन्न हो जाता है। शारीरिक लोगों को दूर करने के लिए स्थान—स्थान पर विकसित होना पड़ता है किन्तु इस तनाव के उपचार के लिए मानसिक अवकाश मिलने—पुनर् हैं। मैं योग अध्यायन को निश्चय से क्षीमारी का उपाय करना चाहता हूँ। मैं 'एच से एम.बी.बी.एस' करके मन-व्यक्तिगत में एक ही, करना चाहता हूँ इसके लिए मैं निरन्तर प्रयासरत रहूँगा।

सुदुल अ-विश्व
 पदा ७३

समाचार पत्र

समाचार पत्र की मानव जीवन में अत्यधिक उपयोगिता है। एक मनुष्य के जीवन में समाचार का बहुत ही अहम भूमिका निभाता है। हमारे व शिक्षकों के जीवन में भी समाचार पत्र का बहुत महत्व है। मैं भी समाचार पत्र पढ़ता हूँ। मुझे समाचार पत्र से बहुत फायदे होते हैं। मुझे समाचार पत्र में खेल, जनपद और व्यापार के समाचारों में बहुत दिलचस्पी है। हम सभी के घरों में अधिकतर रोजाना समाचार का जाता है। घर के सदस्य सुबह उठते ही सबसे पहले या तो चाय या फिर समाचार पत्र देखते ही लोगों के मन में दुनिया भर की खबरों को जानने की इच्छा होती है। समाचार पत्र खोलते ही लोग दुनिया भर की खबरों से अवगत हो जाते हैं।

समाचार पत्र को पढ़ते समय कुछ खबरें पढ़कर लोगों के मुँह पर या तो खुशी का फिर निराशा की छत्र बन जाती है। लोगों को व्यवसायिक चीजों में भी समाचार पत्र बहुत मदद देता है। समाचार पत्र के द्वारा लोग अपने लिए नई नौकरी की खोज भी कर सकते हैं। नौकरी, व्यापार जनपद, खेल और नेतागिरी की खबरें अलग-अलग कन्फें पर होती हैं। समाचार पत्र लोगों को अपने किसी मिलने जाने के देशों के बारे में पता करने में भी मदद करता है। गाँव में रहने वाले लोगों के घर टी.वी. की सुविधा नहीं होती है। इसीलिए उनके पास समाचार-पत्र ही एक सुविधा है। जिसका वो सही उपयोग कर सकते। कुछ लोगों को रोजी-रोटी भी समाचार पत्र को देखने से मिलती है। समाचार पत्र लोगों को अपनी नई दुनिया की खबर बोलाने में भी मदद करता है।

हम सभी ने अक्सर देखा होगा कि हर सुबह समाचार-पत्र बीटने वाले हमारे घर पर आकर समाचार-पत्र देता है। रविवे रेलवे स्टॉप या बस स्टेशन पर समाचार-पत्र सभी बैठकर अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं। इसी प्रकार समाचार-पत्र सभी के जीवन में अहम भूमिका निभाता है। समाचार-पत्र से लोगों को सनातन जीवन-राष्ट्री चुनने में भी मदद मिलती है। उसके लिए एक अलग पैर होता है। समाचार-पत्र अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध होता है। समाचार-पत्र की कीमत बहुत कम होती है। समाचार-पत्र की कीमत उसकी उपचाई से भी कम होती है। इस तरह समाचार-पत्र सभी के लिए उनके जीवन में अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। रुढ़ियों से समाचार-पत्र का रिवाज चलता आ रहा है। अन्त में मैं बस यही कहना चाहूँगा कि अगर समाचार-पत्र न होता तो हमारे समाज से एक बहुत अहम चीज की कमी पड़ जाती। मैं आशा करता हूँ कि इसी तरह संविधान में भी समाचार-पत्र का महत्व ही महत्व होगा। समाचार-पत्र बच्चे को लेकर एक बृद्ध व्यक्ति की जिंदगी में बहुत अहम हिस्सा है।

अनंजय वर्मा

कक्षा 8 व

बालिका शिक्षा

हमारे समाज में एक कथन प्रचलित है, आज के समय कल के नागरिक हैं और देश का भविष्य इन भावी पीढ़ी के बच्चों पर निर्भर है। कुशल राष्ट्र एवं प्रगतिशील समाज के लिए देश का बचपन खुशहाल होना चाहिए।

हमारे देश में अभी भी पुरुषों की अपेक्षा लड़कियों को शिक्षा के मामले में समानता का इजाजत नहीं मिल पाया है। इसका मुख्य कारण है कि आज भी देश की 80 प्रतिशत जनता ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है जहाँ लड़कों को शिक्षा देना प्राथमिकता है तथा लड़कियों को खेड़ा-बहुत पढ़ाने का बाद घरेलू कार्यों में लगा दिया जाता है यहाँ से शुरू हो जाती है सामाजिक विषमता क्योंकि अल्पशिक्षा के कारण बहिनवर्ग सामाजोत्थान के कार्यों में भागीदारी नहीं कर पाती है, और पुरुषप्रधान समाज के अभिचारिक क्षेत्रों को स्वीकार करना बालिकाओं की नियति बन जाती है। इन परिस्थितियों में उनकी अपनी इच्छा, स्वयं, स्वाभिमान बच जाता है और उनका मानसिक विकास रुक जाता है।

कानून में बालिकाओं को सामाजिक समानता दिलाने हेतु केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार, सामाजिक संगठन एवं संस्थाएँ विचार-विमर्श कर ठोस नीति निर्धारण हेतु कार्य कर रही है समाज की रूढ़ि के लिए पुरुषों की तरह ही बालिकाओं को भी उच्चस्तरीय शिक्षा प्रदान किया जाना अनिवार्य है जिससे उनका सामाजिक, आर्थिक और मानसिक विकास हो सके और यह राष्ट्र की प्रगति में पुरुषों की तरह ही भागीदार बन सकें।

विकासशील देशों में पुरुषों व महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का प्रतिनिधित्व मिला हुआ है, जबकि भारत में इसकी प्रतिशत काफी कम है। यद्यपि बदलते परिवेश में भारत में भी बालिकाओं को



शिक्षा खेल प्रतियोगिताओं, सामाजिक-राजनैतिक भागीदारी हेतु जोरदार प्रयास किये जा रहे हैं, फिर भी इन प्रयासों को जारी रखना समय की ज़रूरत और है बालिकाओं को उनके अधिकार को दिलाने के लिए उनकी उच्च शिक्षा और प्रोत्साहन की हर स्तर पर प्रयत्न आवश्यकता है तभी इन सामाजिक विषमताओं का अभिशाप से मुक्ति मिल सकेगी। तभी हमारे देश की बालिकाएँ आत्मनिर्भर होंगी तथा इस देश की आजादी की मूल भावना को सशक्त मिल सकेंगी और हमारा राष्ट्र का चहुँमुखी विकास कर पाएगा।

हरिपल चानू
जयरा - ११४

समय का महत्व

समय एक ऐसी धारा है, जो कभी रुकती नहीं। यह एक ऐसी पहली है जिसे जिस इन्सान ने समझ लिया वह सफलता के सपने चढ़ता ही जाएगा। समय को समझने वाला इन्सान हमेशा अन्य लोगों से आगे रहता है। प्रत्येक व्यक्ति की जिन्दगी का सबसे अहम हिस्सा है, समय।

एक क्षण की देर बहुत बड़ा उत्तर-चढ़ाव कर सकती है। विद्यार्थियों को समय का प्रयोग कर आगे बढ़ना चाहिए। आगे एक काम करने वाला व्यक्ति यदि समय का फायदा नहीं करेगा तो वह अपने आप ही कान से गिरावा जाएगा, शेक्सपीयर ने बितकुल सही कहा है:-

'I killed time now time is killing me' विद्यार्थियों के लिए समय को समझना और उसका नियोजन करना अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

उनके आगे उनका सम्पूर्ण जीवन पड़ा है, असफलता का कारण समय की कमी नहीं है उसका कारण है समय का बुरा प्रयोग करना। भुले समय नहीं मिला कहना एक खोर पाप है। सफल छात्रों के पीछे सिर्फ एक कारण होता है, और वह धारा के बहाव को समझना।

समय कमी की किसी इन्सान के लिए नहीं रुकता। वह उस सामान में बहती लहरों के समान है जो तट को चुने के लिए बेलाव, तेजी से बहती है जो समय को नहीं समझता वह उसके तेज लहरों में ख डाला है। समय नियोजन करने हम सफलता को कूब सकते हैं, यह रास्ता अपनाया कठिन नहीं है। यदि हम फेंकितार करें तो हम आसानी से समय का नियोजन कर सफल हो सकते हैं।

समय प्रत्येक इन्सान के जीवन का अनमोल रत्न है, इसका उपयोग कर रेंक राजा बन सकता है और दुर्लभयोग कर एक राजा रेंक की हालता पर नी पहुँच सकता है।

लौक्य भागत
कहा ३ व

समाचार पत्र की उपयोगिता

समाचार पत्र की लोगों के जीवन में बहुत उपयोगिता है, वह हमें जगह-जगह के समाचार बताता है। पहले जमाने में समाचार पत्र नहीं हुआ करते थे और लोगों को पतादा जानकारी भी नहीं थी। भारत का सबसे ज्यादा बिकने वाला समाचार पत्र 'अमर उजाला' है। समाचार पत्र बहुत सी जानकारी देते हैं।

लोगों को समाचार पत्र से दुनियाँ में अच्छे व बुरे कामों के बारे में पता चलता है। बच्चों के लिए समाचार पत्र एक बहुत अच्छी किताब की तरह है। समाचार पत्र उनको पढ़ाई के बारे में बताता है। जो व्यक्ति अगर कुछ बनाना चाहता है अगर उसे पता नहीं होता कि उसे कैसे पत्रा करना है, वह समाचार पत्र उनकी बहुत मदद करता है। आज-कल के बच्चों को समाचार पत्र पढ़ने का बहुत शौक है।

अब जगन्ना हिन्दी समाचार पत्रों का नहीं बल्कि अंग्रेजी समाचार पत्र पढ़ने का बहुत शौक है। क्योंकि अंग्रेजी समाचार पत्र पढ़ने से हमारा ज्ञान और बढ़ता है। समाचार पत्र हमें स्पॉर्ट्स, पॉलिटिक्स आदि के बारे में बताते हैं।

कह गये महत्तमा बुद्ध, महावीर अपनी
न छान होने वाली इच्छाओं के कारण ही
लक्ष्मता रहता है इन्सान,
अगर माना है मंछ तुझको तो दुनिया
को छोड़ बस ले ईश्वर का नाम ।

परन्तु कहती है दुनिया तू स्वप्न देख
तभी कुछ कर पावेगा
नाही तो बिना कुछ कर तू बेकार बन
फिर जिंदगी में मिल जाएगा

इन हक़ीक़तों ने ही तुझे लालची,
नोच व दगाबाज बनाया है ।
अब जायदाद की लालसा में तूने
अपना जमीन तक बेच खोया है ।

तेरी इन चाहतों ने ही तुझे इस
सफलता के पहाड़ पर खड़ा है,
एक एक नगर जोड़कर तूने
पूरा सभ्रान्त बनाया है ।

अपने स्वार्थ हेतु तूने कितने घरों
को जलाया है ।
आज तू यहीं तक पहुँचो पहुँचते
सैकड़ों को लौट आया है ।

जब तूने स्वप्न देखा तभी तूने है
कुछ पाया अगर झूठ,
तो तू मुझे बता कि यह
हवाई जहाज कहाँ से आया ।

अरे जी रहा है दाढ़ बट से
सभी आसनों के बीच है तू,
जब बाहर देख इस दुनिया में नरीबी
से मर रहे तेरे भाई बन्धु

आज तू कामकाज में होता तो क्या
तेरे सामने एक गरीब मरता क्या
तू कुछ कर पाता ?

अपने वैसे का गुरुर न कर, जल्दी
सह दुराई की भलाई,
क्योंकि बाद रख मुझे भला करता देखने
के लिए ही है भगवान ने दुनिया बनाई ।
तू दीड़ते रह तू धक मत, अभी
बहुत दूर तक जाया है ।

धरती जोरा ली हो क्या हुआ
अभी सितारों पर झंझ फहराया है ।

रेखित
कला ३०



RESULTS 2008

EDMUND RICE INTER-SCHOOL QUIZ

First	:	St. John's, Chandigarh
Second	:	St. Joseph's College, Nainital
Third	:	St. Mary's, Mount Abu
Fourth	:	St. Columbas High School, New Delhi

ANNUAL ATHLETIC SPORTS

A DIVISION

Events	FIRST	SECOND	THIRD
100 M	M. MEHRA	N. AGARWAL	A. SANDHU
200 M	M. MEHRA	N. AGARWAL	A. SANDHU
400 M	M. MEHRA	A. BISHT	R. KUMAR
800 M	V. SIJWALI	A. BISHT	R. KUMAR
1600 M	A. BISHT	R. KUMAR	H. AGARWAL
SHOT PUTT	M. MEHRA	A. PANDEY	P. RAWAL
DISCUS	M. MEHRA	A. SANDHU	V. SIJWALI
LONGJUMP	A. SANDHU	H. AGARWAL	I. SANDHU
HIGHJUMP	M. MEHRA	A. PANDEY	M. BORA
TRIPLE JUMP	M. MEHRA	H. AGARWAL	A. SANDHU
MARATHON	A. BISHT	V. SIJWALI	R. KUMAR

B DIVISION

Events	FIRST	SECOND	THIRD
100 M	K. KHETWAL	B. KUMAR	P. NAGPAL
200 M	K. KHETWAL	B. KUMAR	A. CHAND
400 M	K. KHETWAL	B. KUMAR	P. DHILLON
800 M	S. SINGH	K. P.S. GILL	S. JACOB
1600 M	A. CHAND	S. SINGH	S. JACOB
SHOT PUTT	K. KHETWAL	A. CHAND	B. KUMAR
DISCUS	K. KHETWAL	B. KUMAR	N. BHATNAGAR
LONGJUMP	K. KHETWAL	A. CHAND	B. KUMAR
HIGHJUMP	P. BHASIN	A. SHARMA	P. DHILLON
TRIPLE JUMP	A. CHAND	P. DHILLON	P. BHASIN
MARATHON	A. CHAND	K. KHETWAL	M. BHATNAGAR

C DIVISION

Events	FIRST	SECOND	THIRD
100 M	D. SAH	I. GROVER	A. AGARWAL
150 M	D. SAH	A. AGARWAL	R. GUPTA
200 M	D. SAH	A. AGARWAL	I. GROVER

300 M	D. SHAH	A. AGARWAL	S. GUPTA
400 M	A. AGARWAL	I. GROVER	---
500 M	A. AGARWAL	D. SHAH	S. BHADAT
HIGH JUMP	A. CHADRA	A. S. MOMI	S. GUPTA
LONG JUMP	A. AGARWAL	D. SHAH	A. S. MOMI

D DIVISION *

Events	FIRST	SECOND	THIRD
100 M	H. TEWARI	P. NEGI	S. PANDE
150 M	D. JILANI	T. BORA	H. TEWARI
200 M	T. BORA	H. TEWARI	M. K. BISHT
300 M	T. BORA	D. JILANI	H. TEWARI
400 M	T. BORA	H. TEWARI	D. JILANI
HIGH JUMP	T. BORA	A. KUMAR	T. P. S. NEGI
LONG JUMP	H. TEWARI	T. JILANI	N. K. BISHT

E DIVISION

Events	FIRST	SECOND	THIRD
50 M	S. GABRIYAL	A. N. NEGI	R. P. SINGH
75 M	S. GABRIYAL	A. N. NEGI	J. SRIVAST
100 M	S. GABRIYAL	R. PRABHAKAR	J. SRIVAST
LONG JUMP	J. SRIVAST	R. PRABHAKAR	A. N. NEGI

F DIVISION

Events	FIRST	SECOND	THIR
50 M	R. RAJPUT	A. CHITVAL	S. SHARMA
75 M	R. RAJPUT	S. SHARMA	A. CHITVAL
100 M	R. RAJPUT	S. BISHT	T. BISHT
LONG JUMP	R. RAJPUT	N. DOGRA	R. PANDAY

CLASS THREE

Events	FIRST	SECOND	THIRD
50 M	S. AKHTAR	D. SHARMA	T. KWARSI
75 M	T. KWARSI	S. AKHTAR	M. NIMSESI
Events	FIRST	SECOND	THIRD
'A' DIVISION 4 x 100 M RELAY INTER HOUSE	GANDHI	PANT	TAGORE
'B' DIVISION 4 x 100 M RELAY INTER HOUSE	PANT	TAGORE	GANDHI
'C' DIVISION 4 x 100 M RELAY INTER HOUSE	GANDHI	TAGORE	PANT

DIVISION 4x100 M RELAY INTER HOUSE	GANDHI	PANT	NEHRU
COLLEGE RELAY TEAM Vs COLLEGE OLD BOYS	COLLEGE TEAM	OLD BOYS (BLUE)	OLD BOYS (GREEN)
CAPTAIN'S RELAY	CAPTAIN'S	PREFECTS	VICE-CAPTAINS
Events	NAME		
GYMNASTIC MEMENTO	HRITIK AGARWAL		
GYMNASTIC MEMENTO	PRABAL GANGOLA		
DUA SPECIAL-BEST PROMISING ATHLETE (JUNIOR)	HARSH TEWARI		
DUA SPECIAL-BEST PROMISING ATHLETE (SENIOR)	HRITIK AGARWAL		
BEST ATHLETE 'A' DIVISION	M. MEHRA		
BEST ATHLETE 'B' DIVISION	K. KHETWAL		
BEST ATHLETE 'C' DIVISION	A. AGARWAL		
BEST ATHLETE 'D' DIVISION	Y. BORA		
BEST JUNIOR GYMNAST	UTKARSH SAH		
BEST SENIOR GYMNAST	HRITHIK AGARWAL		
DUA SPECIAL-PROMISING GYMNAST JUNIOR	DEEPAK JOSHI (CLASS 3A)		
DUA SPECIAL-PROMISING GYMNAST SENIOR	ABHISHEK MEHRA (CLASS 7A)		
MEDLEY RELAY SHIELD	PANT HOUSE		
MARCHING SHIELD (CONNOLLY SHIELD)	NEHRU HOUSE		
RANI SUPRAFRABHA DEVI OF CHANDPUR BEST ATHLETE 'A' DIVISION	M. MEHRA		
MOST PROMISING ATHLETE (SENIOR)	A. CHAND		
MOST PROMISING ATHLETE (JUNIOR)	D. JILANI		
TROPHY PRESENTED BY THE 1973 BATCH			
DR. MURPHY SHIELD FOR THE WINNING HOUSE	GANDHI HOUSE		

ELOCUTION IN ENGLISH (MIDDLE SCHOOL) - 2008

CHORAL

CLASS 6:

FIRST : CLASS 6A

SECOND : CLASS 6B

CLASS 7:

FIRST : CLASS 7A

SECOND : CLASS 7B

CLASS 8:

FIRST : CLASS 8B

SECOND : CLASS 8A

OVERALL WINNERS:

FIRST : CLASS 6B

SECOND : CLASS 7A

THIRD : CLASS 8A

INDIVIDUAL

CLASS 6:

FIRST : Sharique Hassan (Class 6A)

SECOND : Yashveer Joshi (Class 6A)

THIRD : Aarish Raza (Class 6B)

CLASS 7:

FIRST : Vishwamith Sah (Class 7A)

SECOND : Karan Pratek Singh Gill (Class 7B)

THIRD : Aman Rautela (Class 7A)

CLASS 8:

FIRST : Shubham Chaudhary (Class 8B)

SECOND : Yashika Jindal (Class 8A)

THIRD : Gaurav Kumar (Class 8B)

ELOCUTION IN ENGLISH (SENIOR SCHOOL) - 2008

CLASS 9:

FIRST : Gouravjay Shah (Class 9A)

SECOND : Abhinav Tiwari (Class 9B)

THIRD : Sneha Bhargava (Class 9B)

CLASS 10:

FIRST : Priyanka S. Bhat (Class 10A)

: Divyot Saran (Class 10B)

SECOND : Aayush Parde (Class 10A)

THIRD : Akshay Parde (Class 10B)

ELOCUTION IN HINDI (MIDDLE SCHOOL) - 2008

CHORAL

CLASS 6:

FIRST : CLASS 6B

SECOND : CLASS 6A

OVERALL WINNERS:

FIRST : CLASS 6B

SECOND : CLASS 7A

THIRD : CLASS 7B

CLASS 7:

FIRST : CLASS 7B

SECOND : CLASS 7A

CLASS 8:

FIRST : CLASS 8B

SECOND : CLASS 8A

SCIENCE QUIZ (MIDDLE SCHOOL) - 2008

CLASS 6:

WINNER CLASS 6B: ABHINAV SINGH, MANAS MEHRA, SWAPNIL SAH, SURYAKANT MAITHANI.

CLASS 7:

WINNER CLASS 7A: ALI MOHD KILAN, SHRAVAN PANDEY, VENKATESH PANDEY, VISHWANANTH SAH.

CLASS 8:

WINNER CLASS 8B: DIGVIJAY SINGH BISHT, HARSHA TIWARI, VIPLAV JHA, RACHIT UPRETI.

OVERALL WINNERS:

CLASS 8B: DIGVIJAY SINGH BISHT, HARSHA TIWARI, VIPLAV JHA, RACHIT UPRETI.

INTER-CLASS CHART COMPETITION, 2008

CLASS 6:

FIRST : CLASS 6A

SECOND : CLASS 6B

CLASS 7:

FIRST : CLASS 7A

SECOND : CLASS 7B

CLASS 8:

FIRST : CLASS 8B

SECOND : CLASS 8A

OVER ALL WINNERS AMONG THE SIX GROUPS:

CLASS 8B:

DEBATE IN ENGLISH (MIDDLE SCHOOL) - 2008

CLASS 6:

BEST SPEAKER:

FOR : KUSHLAGRA NAINWAL (6B)

AGAINST : ABHINAV SINGH (6B)

CLASS 8:

BEST SPEAKER:

FOR : NITYESH KUMAR (8B)

AGAINST : (1) HAMZA KHWAZA (8A)

(2) HARSHA TIWARI (8B)

CLASS 7:

BEST SPEAKER:

FOR : SUVEER GARG (7B)

AGAINST : PRASHANT TIWARI (7B)

SEM DIARY 2008

- February 29th : I.C.S.E. examinations began today.
- March 2nd : Boarders report back.
- March 3rd : School reopens for all except the students of Class 3.
- March 6th : Maha Shivratri, first school holiday for this year.
- March 9th : Boarders of class 3 report back to school.
- March 10th : School reopens for classes 1, 2 and 3. Half Day.
- March 19th : St. Joseph's Day, weekend break for Easter and Holi began in
- March 21st : Id-Ul-Milad, Good Friday and Holi School Holiday.
- March 22nd : Dhulendi School Holiday.
- March 23rd : Classes resume.
- March 29th : I.C.S.E. examinations end for the 2008 batch.
- April 4th : Investiture ceremony for Captains and Prefects.
- April 13th : Baisakhi, sister meets for Boarders.
- April 14th : Ram Navmi/Ambedkar Jayanti School Holiday.
- April 15th : Scholastic Book Fair opens for Junior Classes.
- April 16th : Eco Spirituality presentation Fr. Noel from New Delhi conducts programme.
- April 17th : Scholastic Book Fair ends.
- April 18th : Mahavir Jayanti School Holiday.
- April 19th : Nagar Nigam Elections in Naini Tal, School Holiday.
- April 25th : Inauguration of Athletics fortnight.
- May 1st : Labour Day; Sports Practice began for all classes.
- May 2nd : Budh Purnima School Holiday.
- May 4th : Cricket Match Sem Vs Sherwood College. Sherwood won wicket.
- May 5th : Blessed Edmund Rice Day School Holiday.
- May 10th : The College was invited to the Sports Rehearsals of St. M. Convent. The girls put up a lively Doll Display.
- May 12th : Full Day Sports practices began on this day.
- May 17th : The 121st Annual Athletics Sports Day. Mr. K. C. Singh, Member of Parliament, an ex-pupil of the College was the Guest. Gandhi House secured First Position. A two-week Mid break began.

DECLAMATION (MIDDLE SCHOOL) - 2008

CLASS 6:

- FIRST : Ketan Talwar (Class 6B)
SECOND : Syed Sharique Hassan (Class 6A)
THIRD : Kunal Mathela (Class 6B)

CLASS 7:

- FIRST : Arun Bargarli & Sailosh Mohpal (Class 7A & Class 7B)
SECOND : Rajat Joshi (Class 7B)
THIRD : Shrey Thakral (Class 7A)

CLASS 8:

- FIRST : Rachit Upreti (Class 8B)
SECOND : Jaiwant Singh (Class 8A)
THIRD : Vipul Vijay (ha) (Class 8B)

OVERALL WINNER: CLASS 7B (Section wise between 6A, 6B, 7A, 7B, 8A, 8B)

RESULTS OF SWIMMING COMPETITION

INDIVIDUAL EVENTS

DIVISION A

BREAST STROKE - 25 METRES

- FIRST : Anuj Ghildial (Nehru House)
SECOND : Hritik Agarwal (Gandhi House)
THIRD : Kunal Joshi (Pant House)

DIVISION C

BREAST STROKE - 25 METRES

- FIRST : Abhinav Bhandari (Tagore House)
SECOND : Praveen Bhasin (Pant House)
THIRD : Aakash Chaudhari (Nehru House)

DIVISION E

BACK STROKE - 25 METRES

- FIRST : Prince Rawal (Tagore House)
SECOND : Rajat Kaulpal (Pant House)
THIRD : Md. Haman Beg (Gandhi House)

DIVISION A

FREE STYLE - 25 METRES

- FIRST : Hritik Agarwal (Gandhi House)
SECOND : Tanmay Bhatt (Nehru House)
THIRD : Anuj Ghildial (Nehru House)

DIVISION B

BACK STROKE - 25 METRES

- FIRST : Shubham Jainwal (Pant)
SECOND : J. Sandhu (Tagore House)
THIRD : Aman Sharma (Gandhi House)

DIVISION D

FREE STYLE - 25 METRES

- FIRST : Dennis Beale (Pant House)
SECOND : Abdul Rob (Nehru House)
THIRD : Sumeet Garg (Nehru House)

DIVISION B

BUTTERFLY - 25 METRES

- FIRST : Aman Sharma (Gandhi House)
SECOND : Gauranjay Sah (Tagore House)
THIRD : Shaawat Singh (Pant House)

TEAM EVENTS

WATER POLO

FIRST: NEHRU

TANMAY BHATT, ANUJ GHILDIAL, D. GARIBYAL, K. PANT, PARAMPREET SINGH, ABDUL RAB, PRABHUT DHILLON, AKSHAY CHAUDHARY, CHAITANYA SAH, SARTHAK SHUKLA, VAIBHAV SHARMA, GAURAV SHARMA.

SECOND: PANT

KUNAL JOSHI, P. GOSWAMI, AYSUM PANDT, P. MISHRA, S. KHADKA, P. KUMAR, D. GUPTA, S. JAINWAL, VATSAL AGARWAL, SELASHWAT SINGH, P. BHASHIN, D. KUMAR.

THIRD: GANDHI

HRUTHIK AGARWAL, PARAS KAWAL, NAKUL KHANNA, H.S.BEDI, AVINASH SANDHU, A.A.KHAN, AMAN SHARMA, RAJDEEP SINGH, GURSHAN TANNU, RAGHAV BISHI, MANAS BHATTNAGAR, DUSHYANT MUGDIAL.

AMUL INDIA TROPHY PRESENTED FOR BEST I.C.S.E. STUDENT SPONSORED BY AMUL INDIA LIMITED

TROPHY & CASH PRIZE OF RS. 500

1. ASHUTOSH BHAKUNI
2. SUMIT BHAGAT

ON-THE-SPOT ART COMPETITION HELD ON 17TH NOVEMBER, 2008

CLASS 6

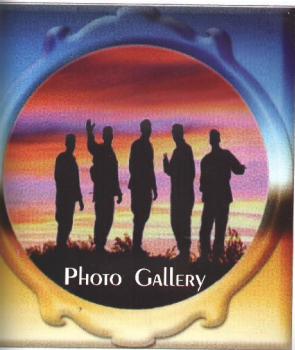
- FIRST : ABHIJEET MALKANI [CLASS 6A]
SECOND : DEWANSHI PANDEY [CLASS 6B]
THIRD : RAKSHIT GROVER [CLASS 6B]
FOURTH : PRABHAKARAN NAGRA [CLASS 6A]

CLASS 7

- FIRST : VISHWA NATH SAH [CLASS 7A]
SECOND : VENKATISH PANDEY [CLASS 7A]
THIRD : KARAN PREET SINGH GILL [CLASS 7B]
FOURTH : BHARAT RAWAT [CLASS 7A]

CLASS 8

- FIRST : LUVISH KAWAL [CLASS 8A]
SECOND : MANVENDRA NEGI [CLASS 8B]
THIRD : ANKIT PANT [CLASS 8A]
FOURTH : AARJAV BHATT [CLASS 8A]

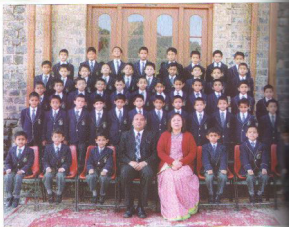




Staff - 2008

Right :

- Row 1 : Mrs. D. Sha, Mrs. C. Palmer, Dr. O. A. Hallantyme, Dr. J. Murray,
Dr. P. Emmanuel (Principal), Dr. T. P. Fitzpatrick (Dr. Superior), Mrs. R. Pant,
Mrs. B. Jain, Mr. M. D. Palmer.
- Row 2 : Mrs. R. Gururani, Ms. N. Rawat, Mrs. A. D'Amato, Mrs. M. Bharti, Mrs. S. Franjo,
Mrs. J. Mulcahy, Mrs. S. Parde, Mrs. S. Shish, Mrs. N. Rana, Mrs. P. Rathore.
- Row 3 : Mrs. J. Solomon, Mrs. R. Parde, Ms. U. Bisht, Mrs. A. Tomar, Mrs. M. Peter,
Mrs. M. A. Mehra, Mrs. M. Joshi, Mrs. N. Bera, Mrs. D. Mukherjee, Mrs. N. Bisht.
- Row 4 : Mr. T. S. James, Mrs. G. R. James, Mr. R. D'Amato, Mr. E. D'Amato, Mr. S. K. Atal,
Dr. M. Tewari, Mr. S. Banerjee.
- Row 5 : Mr. M. Bernard, Mr. M. Rana, Mr. S. Khawaja.
- Row 6 : Mr. A. Dhallia, Mr. M. Gangola, Mr. M. Sethi, Dr. R. Parde, Mr. R. Marwal,
Mr. S. K. Saha, Mr. S. Rautela.
- Row 7 : Mr. Mukul Joshi.



Class 1

Left to Right :

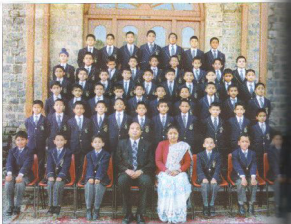
- Sitting** : N. Bisaria, A. Bora, U. Upadhyay, Dr. P. Emmanuel (Principal),
Mrs. C. Palmer (Class Teacher), P.S. Bisht, R. Gurung, Y. Penna.
- 1st Row** : M. Amann, B. Rawat, V.V. Rawat, H. S. Nagpal, U. Budhlakoti, A. Sahai,
U. Sah, A. Rautela, L. Malkani, P. Phartiyal, N. Nagpal, K. Bisht.
- 2nd Row** : A. Tripathi, B. Shah, N. Kishwan, T. Tewari, J. Joshi, K. Sharma, N. Shah,
M. Bisht, H. Tewari, D. Nainwal, H. Desai, K. Upreti.
- 3rd Row** : G. Bisht, R. Kargoti, A. Chaurman, P. Sharma, A. Sah, N. Joshi, P. Bhatt,
V. Mangali, P. Sah, S. Rehman.
- 4th Row** : D. Harbola, A. Ajay, R. Rathor, L. Bisht, M. Joshi, K. Singh, S. Arya, G. Bhatt.



Class 2

Left to Right :

- Staffing : P.Chandra, P.Gururani, A. Singh, Dr. P.Emmanuel (Principal)
 Mrs. M. Peter (Class Teacher), P. Tamta, A. Ali, B. Bhatt.
- 1st Row : U. Sha, D. Bisht, M. Towari, P. Gusain, V. Joshi, D. Kandpal, A. Chaudhary,
 K. Joshi, M. Naja, A. Sah, A. Gupta, S. Malik.
- 2nd Row : R. Kumar, A. Sah, S. Tewari, A. Bisht, A. Bisht, S. Dharmwal, D. Sharma,
 A. Upadhyaya, V. Sah, M. Mahara, M. Puri.
- 3rd Row : R. Chaudal, V. Anand, K. Negi, R. Upadhyaya, S. Lamba, J. Verma, G. Sah,
 P. Sah, P. Gehlot, C. Dasliyal, J. Chhabra.
- 4th Row : S. Mukherjee, Y. Panda, H. Chouda, J. Sah, A. Bangia, K. Mishra, A. S. Bisht,
 A. Shahi, N. Raj.



Class 3 A

Left to Right :

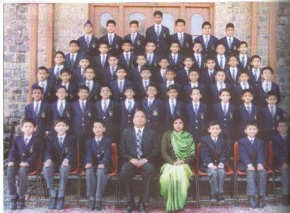
- Sitting** : B. A. Emmanuel, N. Verma, R. Gorung, Dr. P. Emmanuel (Principal),
Mrs. M. A. Mehra (Class Teacher), D. Joshi, N. Bisht, M. Nirmah.
- 1st Row** : R. Negi, P. Chaudhary, S. Shah, A. Jangpang, A. Singh, A. Kandpal,
S. Srivastava, K. Saulliyal, K. Aggarwal, R. Jena, S. Chandra.
- 2nd Row** : T. Shah, M. Rastogi, A. Chandel, N. Gupta, U. Pando, S. A. Siddiqui, S. S. Chandra,
P. Chaudhary, D. Prakash, A. Swarnkar.
- 3rd Row** : D. Gupta, U. Bhatnagar, A. Sureka, A. Chahal, J. S. Singh, C. Rautela, A. Bohara,
S. S. Haam, H. Bisht, A. Naval.
- 4th Row** : A. S. Virk, R. Mansia, A. Sah, S. Nagpal, M. Joshi, T. Sharma, R. Sah, K. Aswal,
M. Kamran.
- 5th Row** : V. Shahi, S. Sandhu, M. Khan, T. Dalakoti, M. Ahmad, K. Sah, A. Chandra.



Class 3 B

From Right :

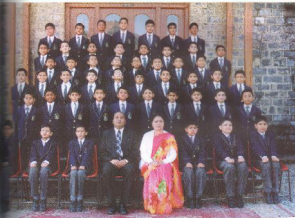
- Row 1 : S. Jangpangi, A. Kharai, S. Kakkar, Dr. P. Emmanuel (Principal)
- Row 2 : Mrs. B. Jain (Class Teacher), N. Lohia, M. Mittal, S. Satyal
- Row 3 : R. Pant, P. Sah, H. Bishi, D. Sah, A. Sah, U. Nainwal, D. Sharma, M. Joshi,
- Row 4 : K. Chandra, R. H. Mohd, H. Raehid
- Row 5 : A. Daniyal, A. Tandon, S. Sharma, H. P. Singh, A. Jha, A. Pasi, M. Beg, A. Bhatia,
- Row 6 : Y. Dhella, S. Sah
- Row 7 : A. Mishra, Y. Shangshi, V. Pallwal, D. Hyunki, R. Negi, T. Yaphal, Z. Shah,
- Row 8 : Y. Kuwari, T. Bishi
- Row 9 : U. Choudhary, U. Bhutani, Z. A. Khan, M. Shah, S. Ahuja, R. Dixit, K. Bhatt,
- Row 10 : S. Siddiqui, M. Hadi
- Row 11 : K. Rana, S. Adhikari, R. Bhaskarisa, A. Sehgal, R. Joshi, M. Sah, A. Chetey
- Row 12 : G. Bhandari



Class 4 A

Left to Right :

- Sitting :** V. Bishi, S. Hassan, B. Pande, Dr. P. Emmanuel (Principal)
 Mrs. N. Rawat (Class Teacher), T. Sah, S. Pandey, D. Phartival.
- 1st Row :** S. Pande, A. Sah, A. Sharma, J. Adhikari, A. Singh, R. Agarwal, M. H. Pasha,
 J. Joshi, S. Hameed, P. Goel, R. Pathak.
- 2nd Row :** G. Samwal, A. Chaudhary, P. Sah, A. Purohit, R. Pandey, U. Sah, M. Kandpal,
 K. Sah, A. Bishi, N. Shrestha.
- 3rd Row :** S. Agirwal, S. Singh, V. Narang, S. Seth, D. Rastogi, A. Narang, P. Kumar,
 R. Singh, N. Dogra.
- 4th Row :** S. Singh, D. Tewari, R. Bishi, S. Bhatt, H. Gupta, V. Kumar, S. Tripathi, U. Bhat.
- 5th Row :** G. S. Chasma, S. Arora, Y. Pande, P. Rajput, N. Joshi, J. Pandey, K. Joshi.

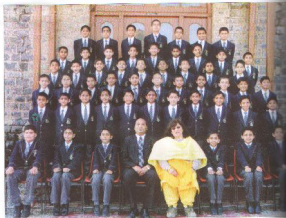


Class 4 B

Left to Right :

- Row 1 : D. Bisht, S. Pansal, P. S. Jakhwal, Dr. P. Emmanuel (Principal) Mrs. A. D'Rauho
[Class Teacher], A. Tewari, P. Dhawari, C. Upadhyaya.
- Row 2 : T. Kimari, A. Pandey, V. Pant, B. Rawat, P. Bisht, V. Pande, U. S. Ali, R. Mahotra,
A. Budiyol.
- Row 3 : V. Kargoti, M. Verma, R. Damani, S. Kumar, A. Sha, K. Singh, C. Ponda, S. Rajput,
T. Bisht, M. Sah.
- Row 4 : K. Bhatt, P. Sch, K. Tripathi, S. Singhal, V. Vidyarthi, V. Garbhal, V. Patera,
S. Sharma.
- Row 5 : A. Kashyap, A. V. S. Chidwal, S. Gupta, S. Sah, A. Tyral, R. Sood, S. Joshi, K. Danta.
- Row 6 : M. R. Shah, S. Agarwal, R. Pandey, A. Gururani, A. Gupta, A. S. Randhawa,
N. Tewari.
- Row 7 : R. Maheshwari.

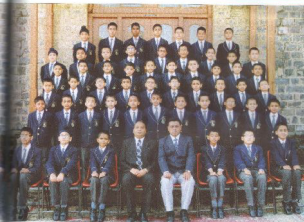
- June 1st : Life returns to the College campus with the arrival of the boarders after the mid-term break.
- June 2nd : A wild thunder storm in the afternoon.
- June 3rd : Br. Ward, who conducted a course for the teachers returned to Delhi. All the staff members were pleased with the proceedings. More rain this evening; it would appear that the monsoon rains have come already, rather early.
- June 6th : Naini Tal is packed with visitors; many of them called in to visit the College.
- June 9th : Rain and more rain; several chicken-pox cases in the College infirmary. Some boys returned after the mid-term break infected with chicken-pox as the epidemic continues to spread.
- June 11th : A damp and overcast day; this was not enough to dampen the spirit of the eager swimmers, even though the pool water was chilly and uninviting.
- June 14th : Science quiz for classes six, seven, eight; Class 8B were the over all winners.
- June 15th : Heavy rain all during the day; the monotony was broken by a film show in the afternoon.
- June 19th : Heavy monsoon rain; after a lapse of several years the tankwando classes began once again. Many applicants for joining the class.
- June 20th : A break in the continuous rain of the past few days.
- June 21st : Another fine day; town walks in the evening.
- June 24th : Horror of horrors examinations begin today.
- June 27th : Examinations continue smoothly and boys do not seem to be too worried about the outcome. Feast of Our Lady of Perpetual Help. Continuous rain all day. Rainfall in June will reach an all time high.
- June 30th : Swimming discontinued to allow the pool to be cleaned and the water to be changed. Very heavy rainfall all day.
- July 1st : The junior school assembly conducted by class five A under the very capable direction of Miss Kara, the class teacher.
- July 3rd : No end to the rain and mist. A sigh of relief that the mid-term examinations concluded this morning. All the boys, except about forty, left for home immediately. The area is still shrouded in mist. The swimming pool is undergoing an overhaul so as to be ready for the boys when they return.
- July 6th : The boarders who did not go home had town walks in the afternoon, when the weather cleared up.
- July 7th : The boarders who did not go home leave for an over night picnic to Sat Tal. They were accompanied by Mr. Sethi and Mr. Gurung. The sun shines once more after days of mist and gloom.



Class 5 A

Left to Right :

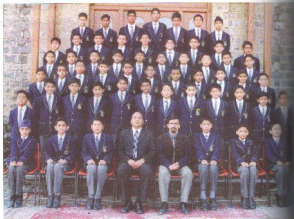
- Sitting** : K. Kumar, Y. Ahmed, P. Tewari, Dr. P. Emmanuel (Principal), Ms. N. Rana (Class Teacher), A. Taha, L. Peter, P. Chaudhary.
- 1st Row** : S. Tewari, D. Consul, A. Sharma, A. Saxena, A. Siddiqui, A. Joshi, Mohd. Danish, U. Garg, A. Dheerndiyal, R. Joshi, B. Kesharwani.
- 2nd Row** : R. Pathak, D. Kukkal, A. Chaudhary, L. Gokul, T. Chand, J. Brijwal, S. Bhandari, S. Chaudhary, R. Pant, K. R. Singh, C. Rawal.
- 3rd Row** : K. Rawal, D. Jagati, A. Kandpal, U. Ahmed, A. Shah, N. Mahajan, A. P. S. Shah, F. Lari, N. P. S. Ghuman.
- 4th Row** : E. Chandra, R. Prabhakar, Y. Saraswati, K. Bajaj, T. Kalra, A. Vishwakarma, M. Sah, S. S. Gill, G. Dixit.
- 5th Row** : U. Bisht, O. Rashid, A. P. Singh, Y. Khan, A. Bhatta, Y. Pande, L. Bisht.



Class 5 B

Left to Right :

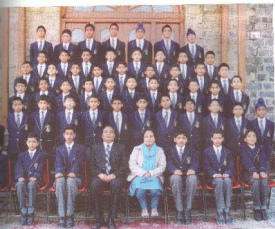
- Seating : S. Jainwal, J. Singh, A. John, Dr. P. Emmanuel (Principal), Mr. S. K. Atal (Class Teacher), P. Bhargava, A. Jenggaragi, F. Rohman.
- 1st Row : A. Vaish, S. Ali, M. Sah, M. Arbaz, R. Chaudhary, M. Sah, R. Sah, P. Joshi, V. Shah, A. Bisht, M. Anshu.
- 2nd Row : A. Negi, A. Aligh, S. Tewari, A. Srivastava, A. Jamsal, A. Sah, S. Joshi, A. Bisht, A. Saxena, R. Rawat.
- 3rd Row : R. Bhutiyani, K. Bhatt, M. Pant, A. Khan, P. Bisht, S. Chandra, T. Upadhyay, J. Narwal, S. Nainwal, J. Singh.
- 4th Row : J. Grover, T. Gehlot, V. Tamsa, I. Mohit, P. Kandpal, N. Chauhan, Y. Ali, K. Negi.
- 5th Row : R. P. Singh, S. Garbiyal, S. Chandra, D. Dhillon, S. Pandey, P. Tyagi, A. Singh.



Class 6 A

Left to Right :

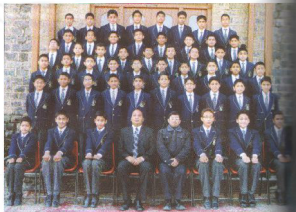
- Sitting** : A. Choema, G. Ghildiyal, K. Ponde, Dr. P Emmanuel (Principal), Mr. R. D'Rozario (Class Teacher), D. Pant, G. Gupta, P Pandey.
- 1st Row** : N. Dingswal, V. Joshi, A. Melkani, A. Dobhal, Y. Joshi, A. Mahendra, S. Bohra, J. Bernard, A. Sharina, N. Nogi, B. Pande, M. Ponde.
- 2nd Row** : A. Veish, M. Triyyab, M. Bisht, H. Bisht, M. Uzair, D. Jilani, H. Beg, B. Agarwal, M. Chhabra, D. Chaudhary.
- 3rd Row** : L. Joshi, Y. Namala, A. Lakhara, S. Goyal, T. Bhardwaj, D. Lotani, K. Rawat, S. Hyunki, M. Jawwad, T. Mittal.
- 4th Row** : S. Hasan, M. Jhall, M. Kapil, P. Nagra, S. Padda, H. Hussain, M. Ponde, S. Kumar, M. Agarwal.
- 5th Row** : K. Bisht, S. Gupta, A. Ali, P. Rawal, M. Tamta, V. Bisht, P. Sandhu.
- Absent** : V. Dalakoti.



Class 6 B

Right :

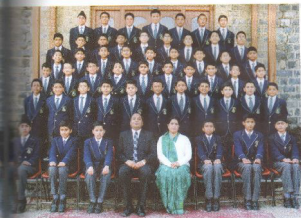
- : A. Kaza, J. Shah, J. V. Singh, Dr. P. Emmanuel (Principal), Mrs. S. Shah (Class Teacher), R. Grover, P. Upadhyaya, V. S. Rautela.
- : H. Sah, P. Joshi, V. Bhagti, K. Mathala, A. Shakshi, M. Kandpal, H. Sandhu, K. Agrewal, S. Sah, K. Nainwal, S. Chandra, J. Singh.
- : A. Tiwari, H. K. Rathore, C. V. Sandhu, P. Singhal, C. Sah, V. Gupta, F. Akbar, D. Pandey, A. Patni, H. Shah, A. Jain.
- : A. P. Singh, M. P. Deo, P. Varma, A. Punetha, S. V. Singh, D. Lotni, R. Kandpal, S. Negi, A. S. Taragi.
- : K. Talwar, S. Pant, A. B. Thapa, H. Shahi, P. Rana, P. Chhemswal, N. Pande, S. Sah.
- : A. Syal, S. Khan, M. Mahra, H. Pawan, A. Singh, H. Ahlawat, M. Bagga.



Class 7 A

Left to Right :

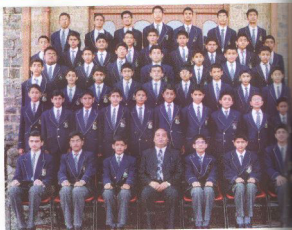
- Sitting** : K. Kushan, H. Azim, A. Kumar, Dr. P. Emmanuel (Principal), Dr. M. K. Tewari (Class Teacher), A. M. Khan, S. Mehra, S. Shahi.
- 1st Row** : V. Sah, U. Pant, S. Pandey, A. Dhapola, S. Thakral, H. Pandey, A. Kalra, S. Taneja, A. Bhangal, R. Chaudhary.
- 2nd Row** : A. Rautela, V. Sangari, S. Tewari, N. Singh, A. Abbas, A. Singh Sandhu, R. Sharma, H. Kalra, R. Patel, A. Bora.
- 3rd Row** : S. Anilakrishna, B. Rawat, Y. Rawat, S. Pandey, R. Sah, V. Pandey, R. Phogat, A. Sharma, G. S. Dhillon.
- 4th Row** : V. Pant, D. Rawat, A. Gupta, A. Sah, T. Negi, A. Varma, Mohd. T. Jameel, S. Rawat.
- 5th Row** : T. P. Singh Negi, A. Mehra, Y. S. Rawat, K. Rautela, A. Hussain, A. V. Singh, S. Chhatwal, Moho, Shafy.
- Absent** : A. Shah, D. Bhatt.



Class 7 B

Left to Right :

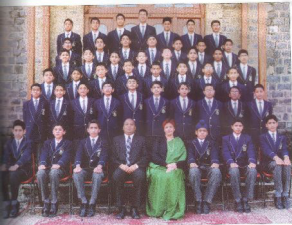
- 1st Row** : K. P. S. Gill, S. Chaudhary, N. Sabri, Dr. P. Emmanuel (Principal), Mrs. Ritu Pande (Class Teacher), V. Gupta, V. Shah, R. S. Sandhu.
- 2nd Row** : J. James, K. Sha, K. Pari, R. Gupta, M. Gupta, A. Pradhan, P. Sharma, A. Srivastava, S. Gang, M. Mousaz, M. Rawat.
- 3rd Row** : N. Joshi, L. Sah, K. Negi, P. Gupta, M. Singh, A. Sharma, Y. Bohra, M. P. S. Kumar, S. Sah, K. S. Gangola.
- 4th Row** : R. Bishi, S. Mohpal, S. Kumar, S. Pant, S. P. Mehra, S. Kamal, D. S. Kurwachi, I. Asara, A. Mehra.
- 5th Row** : S. Vishwakarma, M. Agarwal, A. S. Gupta, A. Kumar, J. Panera, A. Suh, D. A. Beale, Y. Ahmad, V. So'h.
- 6th Row** : J. Singh, K. Karnatak, P. Tewari, M. Jangpangi, K. Pooar, V. Pant, R. Joshi.
- Absent** : G. Joshi.



Class 8 A

Left to Right :

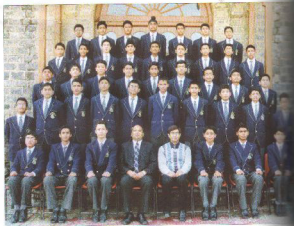
- Sitting** : H. Khuraja, T. Tewari, Y. Jilani, Dr. P. Emmanuel (Principal), A. Chaudhary, A. Bhatt, A. Sahni.
- 1st Row** : H. Mathpal, G. Birwal, D. Rawat, H. Banwait, A. Verma, S. Majeed, V. Potha, P. Bisht, H. Singh, S. Gupta.
- 2nd Row** : Y. Tewari, L. Rawal, A. Mulson, A. Pant, I. Pant, J. Singh, A. Pande, A. S. Mani, P. Negi.
- 3rd Row** : S. Bisht, Y. Sah, D. Sah, P. Sah, P. Pathak, H. Rawat, A. Bohra.
- 4th Row** : K. Bisht, S. Bajaj, G. Sandhu, V. Mehra, R. Kumar, D. Sanwal, A. Haider, D. Ch, A. Bisht.
- 5th Row** : A. Agarwal, S. Jacob, N. Bhatnagar, A. Bhandari, P. Dhillon, A. Yadav, A. Das.
- Absent** : P. Bhasin. Mr. R. Shanker (Class Teacher).



Class 8 B

Left to Right :

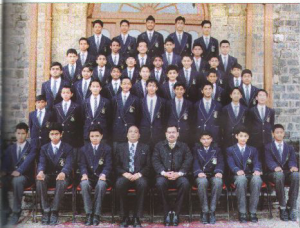
- Row 1 : S. Chandra, A. Chakravarti, N. S. Gill, Dr. P. Emmanuel (Principal), Mrs. P. Rathore (Class Teacher), J. S. Mangat, R. Ujjain, I. Grover
- Row 2 : K. Agarwal, T. Parohit, D. Adhikari, A. Koffin, A. Karpal, V. Sethi, H. Tewari, S. Kimari, V. Pant, I. Pandey
- Row 3 : N. Masaddi, B. Singh, A. Garbysal, D. S. Bishi (B), A. Rawat, V. V. Jha, A. Arora, B. Bishi
- Row 4 : G. Kumar, S. Chaudhary, R. Upadhyay, T. Nagayal, Z. B. Aqussal, A. Lambert, B. Kumar, N. Dhoundiyal
- Row 5 : P. Nagpal, S. Sah, S. Khan, R. Singh, P. Pinda, D. S. Bishi (D), A. Pant
- Row 6 : A. K. Verma, M. Negi, D. Sah, S. Shukla, H. Rawat, T. Upadhyaya, A. Kalra
- Row 7 : N. Kumar



Class 9 A

Left to Right :

- Sitting** : A. Jain, A. S. Randhawa, Y. S. Bisht, Dr. P. Emmanuel (Principal), Mr. B. S. Singh (Class Teacher), I. M. Sharma, J. S. Sandhu, S. Khan.
- 1st Row** : S. Bery, A. Tewari, A. Thwari, M. S. Rawat, A. K. Tyagi, S. S. K. Joshi, V. Keshav, V. Sah, S. Sah, G. Shah.
- 2nd Row** : V. Agarwal, G. Sharma, V. S. Bohra, V. Tripathi, K. James, T. S. Mathpal, S. P. S. Datta, A. Joshi, G. Shah.
- 3rd Row** : A. Sharma, Y. Gangwar, G. Joshi, J. S. Arora, S. Jainwal, K. Ahmad, M. Sah, A. Agrawal, M. Puri.
- 4th Row** : Z. Raza, A. Kandpal, D. S. Kaurabi, G. S. Panru, A. Dhapola, M. Kevichayal, H. Bisht.
- Absent** : V. Panda.

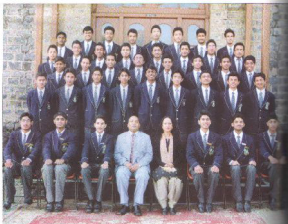


Class 9 B

Left to Right :

- | | |
|---------|--|
| 1st Row | : R. Kuwari, D. Latwal, J. Bisht, Dr. P Emmanuel (Principal), Dr. R. Pande (Class Teacher), A. Garg, D. Bisht, S. Singh. |
| 2nd Row | : S. Agarwal, S. Bisht, S. Kishan, A. Kumar, A. Pandey, S. Dhulia, A. Solomon, S. Bhagat, S. Rautela. |
| 3rd Row | : D. Narang, A. Gupta, U. Sah, B. P. Singh, A. Tiwari, M. Bisht, A. Sharma. |
| 4th Row | : K. Rawat, B. Pokharel, G. Bedi, A. Mandnani, G. Nagi, A. Rastogi, S. Jaiswal. |
| 5th Row | : H. Pande, U. Dalakoti, B. Pant, J. Sah, R. Mehra, P. Sah. |
| 6th Row | : A. Singh, S. Bisht, A. Sandhu, M. Bora, D. Dharmsettu. |

- July 9th : The picnic boys returned this morning; they thoroughly enjoyed the outing. Town walks in the afternoon for classes 6 to 10.
- July 10th : Holiday makers returned to College this evening and luckily the weather was fine. Parent-teacher meeting.
- July 11th : Class work resumes. Teachers and Parents meet in the afternoon.
- July 17th : Junior School Elucation contest. A very good standard attained. Class 5A were declared the over all winners.
- July 18th : Boys of class nine and class ten attended a counselling session at Amul's School.
- July 18th : Selection took place for the Computer team to represent the College for the All India meet to be held in Lucknow later on in the year. Seven boys from Class X were selected to accompany Mr. Edwin D'Gama, from 2nd to 5th August.
- July 21st : The past week was extremely wet, damp and sunless and the coming week looks to follow suit. So far the monsoon has been a rather spoilt sport as far as the boarders are concerned as games have to be cancelled on many evenings.
- July 23rd : The College mini football team had its first outing on the Flats this evening and they drew Sanwal School on the score 0-0
- July 24th : The College mini team beat Nirmala School 3-1
- July 26th : Art competition at Amul's School; the College competitors arrived late for the start of the programme. The College mini team defeated Gmeiner School, 4-0.
- July 27th : After an early bout of heavy rain in the morning, the day turned out to be fine and warm. Most welcome after the weeks of rain.
- July 28th : Sem best Saraswati Vihar 2-1 in the Mini tournament.
- July 29th : In a very well contested game Sem best Sanwal School 1-0 in the Mini Football tournament.
- July 30th : Sem best Lakes International School 4-0 in the last game of the tournament. The final takes place tomorrow.
- July 31st : In the National Taekwondo championship held in Delhi, Master Divyanshu Adhikari of class 8B was awarded the silver medal in the 35 Kg category. Congratulations to Divyanshu. He was representing Uttarakhand in the junior category. In the final of the mini tournament, Sem defeated the P.P.I. Saraswati Vihar team from Durgapur on the score 7-0. Dabsh Jilani scored 5 goals and was declared the player of the tournament, having scored 17 goals in the whole tournament.
- August 1st : No improvement in the weather with the advent of the new month. In fact many teachers and students are suffering from viral fever. The College Computer Team left for Lucknow this evening along with M. E. D'Gama.



Class 10 A

Left to Right :

Sitting : : M. Mehra, P Rawal, A. Chona, Dr P Emmanuel (Principal), Ms. N. Bisht (Class Teacher), K. Joshi, H. Agarwal, P Guron.

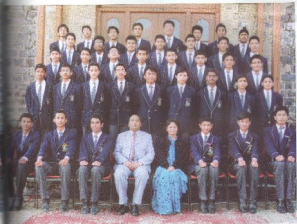
1st Row : K. Adhikari, Z. Ahmed, R. Jai, D. Mudgal, P. Mishra, V. Bargali, P. S. Bisht, S. Khadka, N. Khanna.

2nd Row : A. Goyal, V. Puroh, S. Joshi, U. Pande, K. Suh, N. Bisht, S. Ahuja, A. Rastola.

3rd Row : P. Goswami, P. Gangola, S. Khollia, A. Bisht, N. Sah, M. Joshi, H. Iqbal, N. Bhat.

4th Row : A. Chandra, N. Bhatnagar, S. Khan, A. Pandey, T. Bhatti, A. Singha, S. Dholia, S. Damsa.

Absent : A. Chand.



Class 10 B

Left to Right :

- 1st Row : P. Kumar, V. Sijwali, D. S. Sarwan, Dr. P. Emmanuel (Principal), Ms. D. Shah (Class Teacher), K. Khetwal, A. Ghildial, M. Bhandari.
- 2nd Row : M. Bhatnagar, S. Sharma, D. Upreti, A. A. Khan, D. Garbwal, S. Bisht, S. Ahmed, V. Sharma, Y. Nagtali.
- 3rd Row : H. S. Bedi, M. H. Raza, S. Chaudhan, G. Bisht, H. Joshi, A. Thulgharia, N. Bisht, T. Ghildiyal.
- 4th Row : A. Rajwar, A. Mohita, D. S. Bisht, K. Maulekhi, N. Pandey, K. Pant, M. Pandu.
- 5th Row : A. Gurarani, N. Lohani, R. Jula, A. K. Pandey, Y. Tomar, A. Bhaskari, A. Kohli, C. Arora.





Left to Right :

Sitting

: Mr. E. DeGama, Mrs. D. Akali, Mrs. A. D'Rozario, Mr. P. Perera (Principal), Mrs. C. Palmer, Mrs. R. Pary,
Mrs. B. Jay, Mrs. M. Nisha, Mrs. P. Rathnay.

Stand Row

: P. S. Silva, A. P. Sali, C. Perera, A. Nisha, M. Perera, R. Jay.

Stand Row

: T. Nisha, T. Perera, A. Perera.



CHIEF AND GUESTS

CAPTAINS AND PREFECTS - 2008



BEST ATHLETE - 2008



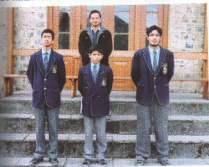
MANAV MEHRA

BEST SWIMMER AND BEST GYMNAST - 2008



H. AGARWAL

BEST MAN - ATHLETICS -2008 (A,B,C,D, DIVISION)



Left to Right
Bottom row:
A. Agarwal, Y. Bohra
M. Mehra

Top Row :
Mr. A. Dhalla

Absent :
K. Khetwal

BEST MAN - SWIMMING-2008 (A,B,C,D,E, DIVISION)

Left to Right
Sitting :
Dr. P. Emmanuel
(Principal)
Mr. A. Dhalla

Standing :
A. Bhandari,
B. Agarwal,
C. Rawal, A. Rab

Absent :
S. Sharma



COLLEGE RELAY TEAM(A) 2008



Left to Right :
Dr. P. Emmanuel
(Principal)
H. Agarwal, K. Khanna,
A. Sandhu, M. Mehra
Mr. A. Dhalla

COLLEGE RELAY TEAM(B) 2008



Left to Right :
A. R. S. Ramchandra,
J. S. Sandhu,
A. Sahni,
A. Bhakuni,
Mr. A. Dhalla

INTER HOUSE BASKETBALL WINNERS-2008



Left to Right :
Bottom Row :
 H. Agarwal,
 Mr. T. S. James ,
 Dr. P. Emmanuel
 ,(Principal) A. Sandhu

First Row :
 S. Khedia, A. A. Khan

Second Row :
 M. Bhatnagar, A. Rajwar

Third Row :
 N. Khanna, H. S. Bodi

Fourth Row :
 P. Rawal, A. Singha

COLLEGE BASKETBALL TEAM - 2008



Left to Right :
Sitting :
 Dr. P. Emmanuel
 (Principal),
 Mr. A. Dhillon

First Row :
 A. Singha, S. Khedia

Second Row :
 P. Rawal, A. Ghildial,
 P. Sipra, G. S. Arora,
 H. Agarwal

Third Row :
 M. Mehra, A. Pandey,
 P. S. Guram, A. Sandhu,
 H. S. Bodi

- August 2nd** : A fine evening so the boys enjoyed their town walks.
- August 4th** : The College Juvenile team had its first outing on the Flats and they had an easy victory over Hermann Gmelner School, Bhimtal on the score 5-0.
- August 6th** : The College Juvenile team beat Amtul's Public School on the score 3-0. The College Computer Team returned from Lucknow; it was a very valuable experience for the members of the team.
- August 7th** : The Local T.V. channel organized an elocution contest at the Chalet Hall. 18 teams participated. The topic was "The role of a Teacher in the Life of a Child." K. Pant of Class X was awarded a consolation prize.
- August 9th** : A very fine day, bright sunshine and clear skies. The teams from St. Columba's, St. Mary's, Mount Abu and St. John's Chandigarh arrived this morning to participate in the Edmund Rice tournaments in the following disciplines: football, basketball, badminton and table tennis. The games got underway almost immediately.
- August 10th** : The lovely weather of the previous day has vanished. The tournaments go ahead as scheduled.
- August 11th** : The last day of the Edmund Rice tournaments.
- August 12th** : The visiting teams left this evening. Classes nine and ten were allowed to town for the evening.
- August 13th** : Flag hoisting at nine o'clock after which all proceeded to the auditorium for a very patriotic cultural programme. Sem won the juvenile football tournament, beating Lake International School, Bhimtal on the score 3-0. Over two hundred boarders availed of leave this afternoon.
- August 16th** : School Holiday. Raksha Bandhan. Heavy rain all day today. The Boarders returned to College this evening.
- August 18th** : Classes resume. Seven schools from the Naini Tal area participated in the inter school fest organized by Amtul's School. Sem was adjudged 2nd in the over-all tally.
- August 19th** : The College football team was defeated by R.S.S.V. school Naini Tal on the score 2-3.
- August 20th** : Sem first team defeated Amtul's on the score 1-0.
- August 22nd** : Very heavy rain and a thunder storm hit Naini Tal at noon today. The College first eleven football team was given a walk over by St. Xavier's School.
- August 23rd** : Janmashtami. School Holiday.
- August 24th** : Sem senior football team made its exit from the inter school football tournament on the Flats losing 3-0 to Government Inter College School.

TENNIS WINNERS-2008



Left to Right :

Sitting :

Dr. A.Dhalla,

Mr. R. Emmanuel

(Principal)

First Row :

M. Bhatnagar,

P. Goswami, S. Bhag

B. Pokharel, S. Jain

Second Row :

M. Bora, M. Mehra,

T. Bhutt

TABLE TENNIS WINNERS-2008

Left to Right :

Sitting :

Mr. A. Dhalla

First Row :

S. Bhagat, K. Pant,

A. Bhutt, P. Bisht,

E. Singh, K. Keshan

Second Row :

B. Pant, M. Bora,

H. Azim, A. Pandey,

A. Ghikhiyal,

M. Bhatnagar



SQUASH WINNERS-2008



Left to Right :

Sitting :

Mr. A. Dhalla,
Dr. P. Emmanuel
(Principal)

First Row :

M. Bhatnagar,
A. Madhani,
S. Bhagat,
A. R. Randhavan,
S. Jaiswal

Second Row :

A. Pandey, T. Bhatt,
M. Mehra

BADMINTON WINNERS-2008

Left to Right :

Sitting :

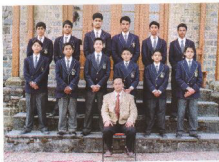
Mr. A. Dhalla

First Row :

S. Bhagat, M. Bisht,
S. Beale, P. Bisht,
S. Kishan, H. Tewari

Second Row :

S. Dhulia, A. Madhani,
S. Dhulia, A. Pandey,
M. Bhatnagar, B. Kumar



GYMNASTICS TEAM-2008



Left to Right :

Sitting :

Mr. A. Dhalla

First Row :

A. Melkani, V. Rautela,

H. Tiwari, S. Bishi,

R. Gupta, P. Gangula,

D. Joshi

Second Row :

A. Mehra, R. Mohan,

P. Gangula, D. Bishi,

S. Ibrulin, V. Pande,

U. Sah

Third Row :

S. S. Bishi, H. Agarwal,

D. Lalwal

INDOOR GAMES (WINNERS)2008

Left to Right :

Sitting :

Dr. P. Emmanuel,

(Principal)

Mr. Dhalla

First Row :

S. Jalwal, S. Bhagat,

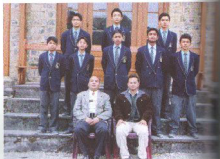
D. Pakharel,

S. Jalwal, S. Khedka

Second Row :

R. Jain, T. Bhatt,

D. Charnashta



MINIS FOOTBALL TEAM-2008



Left to Right :

Sitting :

N. Negi, D. Chaudhary,

First Row :

Dr. P. Emmanuel (Principal),

H. S. Sandhu, A. Chaudhary,

B. Keserwani, A. S. Negi,

N. Dogra, R. Gupta (Captain),

Mr. A. Dhalla

Second Row :

S. Bora, K. Pant, K. Keshan,

J. Brijpal, A. Shakeel,

C. S. Sandhu

Absent :

D. Jilani

JUVENILE FOOTBALL TEAM(A)-2008

Left to Right :

Sitting :

Chandna, R. Karolpal

First Row :

Dr. P. Emmanuel

(Principal), K. S. Gangola,

James, P. Bisht,

Brijpal, S. Pandey,

Gopin, R. Prabhakar,

Mr. A. Dhalla

Second Row :

Sah, M. Bisht,

Keshan, V. Kautola,

Gupta, D. Jilani



INTER HOUSE FOOTBALL WINNER -2008



PANT HOUSE

EDMUND RICE SPORTS MEET FOOTBALL

Left to Right :

Bottom Row :

F. Dhillon,
Br. C. A. Ballantynes,
Dr. P. Emmanuel
(Principal)
R. S. Kuwarbi

First Row :

S. Jacob, B. Kumar,
A. R. Randhawa,
B. Paul, J. S. Sandhu

Top Row :

M. Bora, G. S. Bedi,
D. Dharmasattu, U. Sah,
S. S. Bisht



VIRIP DEEP MEMORIAL FOOTBALL TEAM-2008



Left to Right :

Bottom Row :

V. Sah;
Br. D. A. Ballantyne,
Dr. P Emmanuel
(Principal), A. Bhatt

First Row :

B. Bisht, A. Rautela,
V. Seth, P. Negi,
H. Ahlawat

Second Row :

A. Panda, P. Bhasin,
B. Kumar, S. Ahmed

COLLEGE FOOTBALL TEAM-2008

Left to Right :

ing :

A. Guron

Bottom Row :

P Emmanuel
(Principal), A. Rajwar,
Bishti, D. Sarson,
Singha, (Captain),
Ahmed, M. Mehra

Second Row :

A. Dhaila

Third Row:

Rajwal, P. Kumar,
Rande, N. Sah,
Chetwal, H. Agarwal



BILLIARDS WINNERS-2008



Left to Right :
Dr. P. Emmanuel
(Principal)
A. Singha,
N. Lohani,
A. Chona,
Mr. M. D. Palmar

BILLIARDS AND SNOOKER CLUB

Left to Right :
Bottom Row :
N. Lohani, V. Kandpal,
M. Pant, S. Khan,
A. Kumar, S. Bishi,
A. Chona

First Row :
Dr. P. Emmanuel
(Principal), S. Singha,
S. Khadka, B. Pokharna,
G. S. Arora, H. Iqbal,
K. Pant,
Mr. M. D. Palmar

Second Row :
M. Mehra, A. Pande,
V. S. Tomar



INTER HOUSE HOCKEY WINNERS-2008



NEHRU HOUSE

INTER HOUSE CRICKET WINNERS-2008



NEHRU HOUSE



EDMUND RICE SPORTS MEET (BADMINTON)

Left to Right :

Standing :

D. Dharmsetta, D. S. Kuwarul

Absent : S. Dhulia

Sitting :

Br. O. A. Ballantyne, Dr. P. Emmanuel
(Principal)

EDMUND RICE SPORTS MEET (TABLE - TENNIS)



Left to Right :

Standing :

S. Bhugat, M. Bora,

B. Pant

Sitting :

Br. O. A. Ballantyne,

Dr. P. Emmanuel

(Principal)

EDMUND RICE SPORTS MEET (BASKETBALL)



Left to Right :

Sitting :

Br. C. A. Ballantyne,

Dr. P. Emmanuel

(Principal)

Mr. T. S. James

First Row :

S. Jacob, A. Sahni,

G. S. Redi, A. Madhavi,

B. Pokharel, H. Azim.

Second Row :

H. Kwaja, A. Sandhu,

D. Dharmasetti,

D. S. Kowarhi

EDMUND RICE SPORTS MEET (Quiz) RUNNERS UP



Left to Right :

Br. C. A. Ballantyne,

- August: 25th : A day without rain.
- August 27th : The College basketball team lost to Lakes International School.
- August: 28th : Again the basketball team lost to Amtul's School and so made an exit from the basketball tournament held at Amtul's School.
- August 29th : A full holiday and indeed it was enjoyable because of the glorious weather we experienced for a full day.
- September 01st : Is it possible that the monsoon rains have come to an end? A very fine, bright day. Concert practice goes on for most of the day.
- September 2nd : Another beautiful day. One should be inclined to forget the gloom and dampness of the monsoon days.
- September 4th : Br. Pinto of the Congregation Educational Committee left for Delhi this evening.
- September 5th : Teachers' Day. A short cultural entertainment in the auditorium at 9:00 a.m. The annual aquatic sports took off at ten o'clock and this was followed by a staff lunch. It was an extremely busy day.
- September 7th : The first showing of the Opera, My Fair Lady, for the boards of the College.
- Septembers⁸ : The Provincial and his Assistants arrived this morning to spend a few days inspecting the College. The second showing of the opera for the local parents and guardians.
- September 9th : Br. Fitzpatrick celebrated his 70th year as a Christian Brother. The celebration went off very smoothly, thanks to the interest taken by the Staff members. Final showing of My Fair Lady took place in the evening. Students and staff members of the local schools attended. The weather was just lovely and there are indications that the monsoon rains are coming to an end.
- September 11th : The Provincial and his Assistants left for Delhi this morning. There are still some rain clouds left in Naini Tal; we had a short spell of rain this evening.
- September 16th : World Ozone Day. Some of the college boys attended the celebration at the Naini Tal Zoo. The topic was 'Global Partnership to Save the Environment.' Ankur Pant of class 8 A was awarded a prize in the quiz contest on the environment. The weather continues to be fine.
- September 19th : The Nirip Deep Memorial football tournament commenced today. The Sem team drew with Birla School 1-1.
- September 20th : An annual fest was organized by the All Saints' College; a total of nine schools took part in the various competitions, at least nine events. Sem was declared joint winner in the overall tally with St. George's College, Agra.
- September 21st : A film group from Bombay was engaged in film making today in the College; there were many spectators and autograph seekers.

MIDDLE SCHOOL ENGLISH ELOCUTION WINNERS



Left to Right :

Bottom Row :

Dr. P. Emmanuel

(Principal),

S. S. Hassan, Y. Joshi

A. Raza, V. Sah,

Mrs. P. Rathore

First Row :

A. Rautela, Y. Ilani

Second Row :

G. Kumar,

S. Chandhary

SENIOR SCHOOL ENGLISH ELOCUTION WINNERS



Left to Right :

Bottom Row :

S. Bhagat, G. Shah,

Dr. P. Emmanuel

(Principal),

P. S. Rishi, A. Tewari

First Row :

D. S. Sarason,

A. Pandey,

A. Pandey

PULSE (FESTIVAL AT AMTUL'S) WINNERS



Left to Right :
Sitting :
 Mr. E. D'Gama,
 Dr. P. Emmanuel
 (Principal)

First Row :
 K. Ahmed, A. Kumar,
 A. Tewari, V. Pande,
 M. James, S. Ahmed

Second Row :
 A. Inshi, U. Sah,
 S. P. S. Deopa, P. S. Bishi,
 D. Saron

Third Row :
 U. Pande, D. S. Kuwarbi,
 V. S. Bishi, A. Singh,
 A. Bhakuni

"SABRANG" (FEST AT ALL SAINTS' COLLEGE) WINNERS

Left to Right :
Sitting :
 Mr. E. D'Gama,
 Dr. P. Emmanuel
 (Principal)

First Row :
 John, M. Bhadrnagar,
 P. S. Deopa, A. Kumar,
 James, P. S. Bishi,
 Khoja, T. Tewari

Second Row :
 S. Kuwarbi, K. Pant,
 Sah, A. Singh
 Rautela, A. Bhakuni,
 S. Kuwarbi, A. Yadav



MIDDLE SCHOOL DEBATE WINNERS



Left to Right :
Bottom Row :
 Dr. P. Emmanuel
 (Principal),
 K. Nainwal,
 H. Tiwari, P. Tewari,
 A. Singh, S. Gang,
 Mrs. P. Rathore

First Row :
 N. Kumar,
 H. Khwaja

MIDDLE SCHOOL DECLAMATION WINNER

Left to Right :
Bottom Row :
 Dr. P. Emmanuel
 (Principal),
 S. S. Hassan,
 S. Mohpal,
 K. Mathela,
 A. Bargali,
 Mrs. P. Rathore

First Row :
 S. Thakral,
 K. Talwar,
 R. Joshi

Second Row :
 R. Upreti,
 J. Singh,
 V. V. Jha



COLLEGE CRICKET TEAM - 2008



Left to Right :
Bottom Row :
 A. Pandey,
 Dr. P. Emmanuel
 (Principal),
 Mr. A. Dhaile (Sitting),
 P. S. Guron

First Row :
 H. Rawat, V. Dargali,
 S. Joshi, P. S. Bishit,
 K. P. S. Gill, M. Mehra,
 R. S. Kaurathi,
 Y. S. Bishit

Second Row :
 S. Kholia, A. Ghatdial,
 V. Sijwali, M. Bhandari,
 S. Joshi, A. Rajwar,
 A. Rautala

SWIMMING - WINNING HOUSE - 2008



NEHRU HOUSE

MIDDLE SCHOOL SCIENCE QUIZ WINNERS

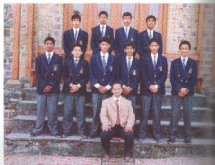


Left to Right :
Bottom Row :
Dr. P. Emmanuel
(Principal), V. Sah,
S. Panda, S. Sah,
H. Tiwari,
Mrs. P. Rathore

Second Row :
V. V. Jha, R. Upreti,
V. Panda, A. Singh

Third Row :
M. Mehra, D. S. Bisht,
A. Ali

SURYA CHILDREN SAILING REGATTA - 2014



Left to Right :
Sitting :
Mr. A. Dhalla

Bottom Row :
U. Sah, C. Shah,
D. Bisht, S. Dhulia,
N. James, S. P. S.
Doopa

Second Row :
A. B. Panda, S. Singh,
S. Bisht, S. Jainwal

EDMUND RICE SPORTS MEET - 2008 (OFFICIAL)



Left to Right :
S. Kishan; G. Sah,
Br. O. A. Bailentym,
Dr. P. Emmanuel
(Principal)
S. Jainwal
A. Rastogi

COFAS TEAM - 2008

Left to Right :
Bottom Row :
Dr. P. Emmanuel
(Principal), R. Jain,
S. Bodi, Z. Ahmed,
R. Bargarla,
Mr. K. D. Gama

Top Row :
S. Gangula, S. Dandia,
A. Kohli



COCK HOUSE - 2008 (NEIRU HOUSE)



- September 22nd: The fine spell of weather was broken today by slight rain. The football tournament resumed.
- September 23rd: Another fine day; Sem beat C.R.S.T. College 6-1 to enter the semi final of the tournament.
- September 24th: Yet another fine day. The semi finals of the football tournament were decided today. Sem beat Sanwal School 1-0.
- September 25th: The final of the Nrip Deep Memorial football tournament took place today. Birla School defeated Sem by one goal in a penalty shoot out.
- September 27th: All the boarders attended the Fete at St. Mary's Convent. The film company continue to work on the film 'Shabash'.
- September 28th: Filming continues in the College quadrangle.
- October 01st: The Principal is attending a meeting of Principals in New Delhi. The senior boys attended a rally at the Flats this morning, in connection with preservation of wild life. The assembled school boys and girls went from the Flats to the Naini Tal zoo.
- October 2nd: Id-ul-Fitr. Full school holiday. Many boys were allowed home for the festival.
- October 5th: Entrance examination for class three. About 90 boys appeared for the test. The Principal returned from Delhi this morning. Slight rain in the afternoon causing the temperature to drop considerably.
- October 7th: Br. Beddoe arrived on a visit. The class ten students went to visit a factory in Bhim Tal as part of their work in Commerce and Economics.
- October 8th: The Dusshera break was availed of by all the boarders except fifty.
- October 9th: Lovely, clear, warm weather. Br. Beddoe left for New Delhi.
- October 11th: The boys remaining back in school went for a picnic to Tiffin Top.
- October 12th: Holidays terminate; the boarders, or most of them, returned this evening.
- October 13th: Class work resumes.
- October 14th: School Holiday for Valmiki Jayanti. Boys of class eight attended a cultural show at Long View Public School.
- October 15th: A very gloomy sky this morning but the sun appeared after lunch and the remainder of the day was beautiful, bright and warm.
- October 16th: Class ten had the second unit test in mathematics.
- October 18th: Br. Fitzpatrick left for Delhi to attend a series of meetings on the working of schools etc.
- October 19th: Art competition held at the Boat House club for classes seven and eight.
- October 22nd: Br. Fitzpatrick returned this morning from Delhi.

- October 23rd : Declaration for the Middle School. Class 7B were the overall winners.
- October 24th : Art & Craft exhibition in the Junior School. Some excellent exhibits.
- October 25th : Diwali holidays begin; except for half a dozen boarders, all have gone home for the festive period. The Art & Craft exhibition concluded today with many parents visiting the art room.
- October 26th : Silence reigns supreme on the College campus, the last of the boarders left for home this afternoon.
- October 28th : Diwali. All the College workers are on holiday to-day. Nainital was rather quiet to-night and the bursting of crackers and bombs not as prolific as usual.
- October 29th : Pts. Conrad and Lawrence came for Mass this morning. All class four workers report back today.
- October 30th : Mrs. Murray and Ballantyne returned from Delhi today.
- November 2nd : End of the Diwali holidays; the boarders returned this evening.
- November 3rd : Class work begins for the last lap. A number of boarders have not yet returned.
- November 4th : Br. Murray's brother and sister-in-law returned to Delhi this morning. They were in Naini Tal for the past four days and really enjoyed the weather and the scenery; they return to Ireland tomorrow.
- November 6th : Junior School Mental Arithmetic competition held this morning.
- November 8th : After more than a twenty-year lapse, the class ten boarders of St. Mary's and Sem had a very enjoyable social.
- November 9th : Uttaranchal Day. A marathon, RUN & LIVE was organized. Eight schools participated in the run all round the lake. The Sem team took fourth place which was creditable considering the fact that the boys had not practised running since the annual sports in May.
- November 10th : Academic excellence awards were given to A. Bhakuni and S. Bhagat of the 2007 batch of the Sem I.C.S.E. class. This award was a State Level award by the Amul Company.
- November 12th : The College had three holidays in a row to celebrate Guru Nanak's birthday, to celebrate Children's Day and an enforced holiday because of a bandh in the area.
- November 15th : The class ten farewell celebration hosted by class nine.
- November 17th : The Br. Provincial arrived from Delhi this morning.
- November 18th : The Provincial left for Delhi this evening.
- November 20th : Unusual rainfall this morning, very cold.
- November 21st : Prize giving for the Junior School; prizes were given for proficiency in subjects, games and conduct.

- November 22nd : Prize giving for the Senior School. The Junior School boys left for home this afternoon; they have a very long holiday before them.
- November 25th : Horror of Horrors: The final examinations for the Middle and Senior Schools began this morning. All seemed happy with the outcome of the first day examinations.
- November 28th : Christmas Mass in the College Chapel at six o'clock this evening. The Principal hosted the farewell dinner for the teaching staff.
- November 30th : Results declared for the Junior School; parents came to collect the reports. Today was the last day of school work for the Junior School Staff. We wish them all a very relaxed holiday.
- December 1st : The end of the scholastic year is coming nearer.
- December 2nd-3rd : Examinations dominate the interests of the students and so there are no outdoor or cultural activities in this week.
- December 6th : Examinations terminate. Relief is writ large on the faces of the students. By noon today the students begin the trek home for the long vacation. By five o'clock all had left so the premises were deserted and the College grounds were exceptionally quiet. The curtain falls on another year. Deo gratias.

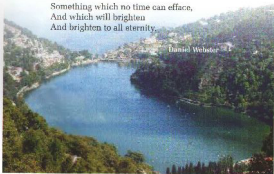
WEATHER OBSERVATION 2008

MONTH	MAX. TEMP.	MIN TEMP.	RAINFALL
JANUARY	20°	-2°	0.3 inches
FEBRUARY	17°	-3°	0.2 inches
MARCH	20°	07°	0.32 inches
APRIL	25°	05°	2.95 inches
MAY	26°	09°	3.35 inches
JUNE	24°	14°	15.87 inches
JULY	22°	16°	21.3 inches
AUGUST	24°	12°	19.13 inches
SEPTEMBER	22°	11°	15.24 inches
OCTOBER	21°	10°	0.3 inches
NOVEMBER	18°	05°	NIL
DECEMBER	18°	06°	NIL
TOTAL RAINFALL FOR THE YEAR 2008		78.97 inches	

INVOCATION

If we work upon marble,
It will perish;
If we work upon brass,
Time will efface it;
If we rear temples, they will crumble
To dust; but if we work upon
People's immortal minds,
If we imbue them with high principles,
With the just fear of God
And love of their fellow-beings,
We engrave on those
Tablets
Something which no time can efface,
And which will brighten
And brighten to all eternity.

David Webster



A HUNDRED YEARS AGO

An Extract From The College Annals 1908



THE ANNALIST WRITES :

I had again, this year to refuse several boarders who were anxious to be admitted, our full complement 230 having been arranged for long before the opening of the school in March. Owing to the floating population of Naini Tal the number of day scholars varies yearly. We had fifty-six on the rolls—a large number for Naini Tal. I was greatly pleased with the conduct of both boarders and day scholars. They are on the whole regular and exact in their religious duties, studious and obedient in class, manly and upright in their dealings with one another and very fond of outdoor games. The nice spirit which exists between masters and boys is now, no less than in years past, a feature of school life in St. Joseph's. That they make good use of their time in the class room is apparent from the results of the various examinations.

DECLAMATION COMPETITION 2008

The autumn had arrived with the end of the 2nd Unit Tests and the next Middle school event was the Declamation competition co-ordinated by Dr. R. Pandey and Mr.E. D'Gama.

The day of the competition, the 23rd of October, arrived. There were two contestants from each class and they had to speak on the given topics. The topics for class 6 were "Should Moral Science be Compulsory in Every School?" and "Importance of Physical Fitness". The participants of Class 7 spoke on "How far Should We Go in Adopting Fashion" and "Corruption and its Eradication", while Class 8 recited speeches on "The Importance of Mass Media" and "India's First Olympic Gold Medal", one wondered if in a cricket crazy nation things would really change for other sports. It was a tough competition and we waited expectantly for the names of the best speaker to be announced. The final results were :

Class 6	1 st	Ketan Talwar 6B
	2 nd	Sharique Hassan 6A
	3 rd	Kunal Mathola 6B
Class 7	1 st	Shailish Mohpal 7B and Arun Bargali 7A
	2 nd	Rajat Joshi 7B
	3 rd	Shivoy Thakral 7A
Class 8	1 st	Rachit Upreti 8B
	2 nd	Jalnoet Singh 8A
	3 rd	Viplav Jha 8B

SCIENCE QUIZ 2008

"Who is going to win?", was the question that was going through my mind when I sat in the college auditorium, waiting impatiently for the Principal to arrive so that the quiz could begin. Finally, the Principal arrived and they began with the first round of the Inter-class science quiz. Mr.M.Bernard was the Quiz Master.

The quiz was really interesting and one learnt a lot from it. The best part was that the Quiz Master had kept some questions for the audience and anyone who answered correctly was the proud winner of a dairy milk chocolate. Alas! I never got a chance though I knew most of the answers. Finally it was time for the rapid fire round which would decide the winners of the Quiz Contest. Our class representative Harsha Thwari answered almost all the questions in the rapid fire round so we had hopes of winning

and finally, as we had hoped, we emerged victorious. The winners of the inter-class Science Quiz Competition were 8B, followed by 7A and 6B.

It was a day I would never forget. There was healthy competition among the classes, and no matter whether they won or lost, all the contestants enjoyed the competition.

@
Raimuland Kumar
Class - 8B

EDMUND RICE TOURNAMENT 2008

The Edmund Rice Tournament is an inter-school competition which is held every year at different Christian Brother schools. This year, it was the turn of St. Joseph's College to play host. Students from St. John's School, Chandigarh; St. Mary's Mount Abu; St. Columba's School, New Delhi and St. Joseph's College, Nainital participated in the event. These schools competed in football, basketball, badminton, table tennis, and a quiz. It was a time for interaction, excitement, and some serious competition. One could witness neck and neck competition among the schools in all the events. Our players coached by Br. Ballantyne and Mr. Gurung played exceedingly well. Avinash Sandhu played a pivotal role in our victory in basketball, while Saurav Bhagat and Sharang Dholia did a great job in table tennis and badminton respectively. It was Shaswat Singh who shone in the quiz. This competition spanned a week. Sem stood first in basketball, second in badminton, third in football, fourth in table tennis and second in the quiz. St. John's was declared the overall winner and Sem stood second in the competition.

Anchal Agarwal
Class - 9A

ELOCUTION-MIDDLE SCHOOL

Elocution is known as the art of effective and clear speech. There are boys and girls who have the gift of eloquent speech and self-confidence which helps them to face the audience. Elocution competitions offer them a chance to exhibit this talent of theirs.

The Middle School Competition was held on the 10th of August, the crucial day when all the weeks of practice and hard work would finally be put to test.

All the contestants delivered their pieces beautifully, and were there, challenging each other for the top spot. During this interesting event, the audience was unusually silent, until the results were declared.

Between the stars, it was Sharique Hassan of 6A who stole the limelight, while Yashashwi Joshi of 6A and Arish Raza of 6B stood second and third respectively. A memorable day for our young speakers.

Vishwanath Sah (7A) was impressive and spoke with clarity, and was the winner, while Karanpreet Singh Gill (7B) and Aman Rautela (7A) stood second and third respectively.

It was a neck and neck contest between 8A and 8B with just a point's difference between Shubham Chaudhary (8B) and Yarrukh Jilani (8A). Shubham stood first while Yarrukh Jilani settled for the second spot. Gaurav Kumar of 8B stood third.

Harsha Tiwari

Class - 8 B

Elocution- Senior School

The Senior School Elocution in English was held on 23rd of September in the school auditorium. Two students from each section of classes 9 and 10 were to compete in the event.

The elocution pieces were chosen with care and showcased different moods ranging from pathos and tragedy to humour and sentimentality. The students were chiefly judged on audibility, clarity, expression and pronunciation.

For weeks prior to the event the participants had been putting a lot of practice in polishing their pieces to perfection. The day of reckoning finally dawned and the competition started off in grand style.

All the contestants recited their pieces eloquently and impeccably. The audience enjoyed it and the judges thoroughly acknowledged it. Everyone waited in anxious anticipation for the results. As soon as they were announced, the audience broke into rapturous applause. Gauranjoy Shah of 9A stood first with an unbeatable recitation of an extract from "Murder in the Cathedral" by T.S. Eliot. Abhinav Tiwari (9B) and Saurav Bhagat (9B) stood second and third respectively. For class 10 Poothvira S. Bisht (10A) and Divyot Sarason (10B) shared the limelight of first position. Anush Pande (10A) stood second, while Akshay Pande (10B) stood third.

Nikhil James

Class - 9 A

Where there is charity and wisdom, there is neither fear nor ignorance.

—St. Francis of Assisi

THE SCHOLASTIC BOOK FAIR

The scholastic book fair is an exciting book promotion event. It is organized all over India and schools are the most suitable places for such an event. The outstanding features of a Scholastic book fair are the quality and range of books and the child friendly display. This year the Scholastic book-fair was held after a long time at our school.

The Scholastic book fair offers a wide range of titles on a variety of subjects meant for children of all ages. To make such publications affordable, these are offered at considerably reduced prices. This encourages literary appreciation. These books empower children and make them creative. In a scholastic book fair, books are classified according to the reading levels and exhibited accordingly, on specially designed racks. To expose children to the fascinating world of books, the first few days are reserved for browsing and students are invited in groups, class-wise.

In an age when the younger generation is hooked on television, computers and the internet, book fairs serve to lure the young back into the fascinating world of books and revive the dying habit of reading.

Aditya Chandra
Class - 10

He who wished to secure the good of others, has already secured his own.

—Confucius

A VISIT TO THE AQUAGUARD FACTORY

Every year the boys of class 10 wait eagerly for the day when they are taken to Bhimtal for a visit to the Aquamall factory. Though the visit is a part of a Project for the Economics and Commerce boys, it is hardly ever considered to be a serious academic exercise. The boys have a wonderful time and get a much required break from the monotonous routine of classes.

The boys were told to assemble near the St. Joseph's Boat House at eight-thirty in the morning. There was a lot of excitement in the air and the boys were all enjoying this new moment of freedom. The school had hired two buses and a mini bus. In high spirits we started our journey and by the time we reached Bhimtal our throats were already sore from all the singing and shouting we had done on our way down.

We were accompanied by Mrs. Rathore, Mr. R.Pande and Mr. Rautela who had a tough time getting the boys to enter the Aquamall factory in an orderly manner. The computer boys had little to do except gaze wide-eyed at the machinery. There was a wide variety of water purifiers. What really amazed us was the pipe manufacturing unit where organic material was being melted, moulded and drawn into wires of uniform thickness. After noting down the relevant details about the water purifiers manufactured there and thanking the staff who had made this factory visit possible, we made our way back to the buses.

From Bhimtal we went to Sattal where we quenched our thirst and satisfied our hunger by feasting on some delightful 'pananths'. The teachers then gave us an hour off to enjoy ourselves. Some boys went for a walk while the others stayed back and splashed playfully in the water. At the end of the hour we returned to our buses to find some of our over zealous friends completely drenched, as they had opted for a swim to beat off the heat. After attendance was taken we headed back, reminding each other that all the information we had compiled had to be submitted in the form of a project soon. We had enjoyed this outing thoroughly and it was a truly memorable experience.

Utkarsh Pande

Class - 10 A

Where there is charity and wisdom, there is neither fear nor ignorance.

-St. Francis of Assisi

SABRANG 2008

Sabrang a kaleidoscope of colours of various activities and different opportunities for the students of participating schools to showcase their talents. All Saints' College hosted their third inter-school festival, 'Sabrang 2008', on the 20th of September.

The theme of the fest was "Saare Jahan Se Achha Hindustan Hamara", evocative of patriotism, unity and team work. Owing to the lashing rain and raging storm, we arrived at All Saints' a little late – wet, dripping and a little embarrassed in front of the girls. However, the damp weather outside did not affect our hopes, enthusiasm and zest for the fest.

The Inauguration Ceremony set the tone for the fest. The pulsating presentation by their College Choir and their College Band, "Encore" promised to be a treat. The fest was declared open by the Principal of the host school, Mrs. K.E. Jeremiah, with the lighting of the lamp. Distinguished guests and one participant from each school also joined in the lighting of the lamp. This ceremony symbolized the coming together of positive energies.

There were eight schools participating in the event, St. George's College from Agra, Sherwood College, Nainital; Amul's Public School, Nainital; St. Paul's College, Moradabad; Vidya Devi Jindal School, Hissar; Girls High School, Allahabad; St. Paul's Church College, Agra and last but not the least our school St. Joseph's College, Nainital. The first events were the Debate in English, Creative-Writing, Poster (Collage) making E-Programming and Web-Page. The events took place simultaneously at different venues. The Collage Making Contest on "National Integration" and the Creative Writing on "Peer Pressure Kills Individuality" showed the creativity of the contestants. The participants showcased their innovative ideas through E-Programming and Web Designing on "Nuclear Wastes". A Debate was held on the controversial topic, "The Nuclear Deal Will Benefit India" in which Utkarsh Bunde (10A) stood second.

After lunch, we had the second session including the Hindi Group Song and Group Dance. The audience were glued to their seats during the song and dance performances with hilarious interludes by the students of the host school.

All the participants were also given the opportunity to visit their newly constructed, magnificent swimming pool. We witnessed an awesome swimming show put up by the host school, which added an extra dimension to our excitement. We all enjoyed tea by the pool side and also had a photograph session. The event was graced by the arrival of the 'Quiz Master', Barry O'Brien.

When the results were announced St. Joseph's College, Nainital and St. George's, Agra were declared joint winners of the Championship trophy of Sabrang 2008.

Fun, frolic youth, vibrancy, colour, zest, multifaceted creativity, innovation - all came together at Sabrang 2008.

Nikhil James

Class - 9A

MACFAIR 2008

Living up to the motto of 'Jai Jagat', CMS education revolves around the twin poles of Godliness and Globalism.

MACFAIR stands for Maths and Computer Fair and is organized for students of class 9 to 12 from schools in India and abroad. In this age of technological advancements, such an event is an attempt to expose the young to the technology of tomorrow through a series of innovative, challenging and interesting competitions. The aim of this event is also the all-round character and personality development of the participants. At Macfair, students from all over the world gather to exchange information, ideas and form new bonds of friendship.

The most interesting event was "The World Parliament for World Peace", which was an initiative taken by the students to spread the message of peace and enlighten the masses. It was a special event for the delegates, and comprised students acting as representatives of different countries in a World Parliament.

MACFAIR was held at the City Montessori Auditorium in Lucknow. Our team of seven students was led by Mr. D'Gama. We participated in several events such as Programming, Whiz kid, Qainturtles, Collage Making, Jingles. Though we had done our best, we were a little disappointed when the results were announced. However, the entire experience of participating in an inter-school competition, such as this one, had been a learning and enriching one.

Shubhankar Dunksa

Class - 10A

CONCERT 2008 MY FAIR LADY

We had a special reason to celebrate this year, 2008, as Brother T.R Fitzpatrick completed 70 years as a Christian Brother. A special service was held in the School Chapel to mark the event. This was followed by the concert, "My Fair Lady", in the school auditorium.

"My Fair Lady" is a musical based on George Bernard Shaw's "Pygmalion". It begins in London on a rain-drenched evening outside Covent Garden. Here Eliza Doolittle (Vivek Pathak), a cockney flower girl meets Professor Henry Higgins (Anmol Sahni), a phonetics and linguistics expert, for the first time.

Higgins boasts to his friend, Colonel Pickering (Anmol Garg) that he can transform the flower girl into a lady by teaching her to speak flawlessly. The songs in the musical were not only entertaining but also revealed the character of the singers. 'Wouldn't it be Lovely' by Eliza gives expression to her dreams and aspirations, while Higgins reveals his hard, irritable, intolerant and elegantly arrogant nature with 'Why Can't the English'. Eliza's father, Alfred Doolittle (Pravmeet Bhasin) presents the perfect portrait of a friendly scoundrel through the song, 'With a Little Bit of Luck'.

The long, agonizing sessions with Higgins finally yielded results when Eliza pronounced impeccably, 'The Rain in Spain Stays Mainly in the Plain'. Higgins can hardly believe his ears and exclaims triumphantly, 'By George, she's got it!' Eliza is now ready to appear in high society and attends the Royal Ascot. The play ends with a bewildered Eliza attempting to find her true identity.

The play was directed by Mr. Shakespeare Colaco who had come from Goa especially for this purpose. Undoubtedly his direction gave a certain finesse to the production. The boys who took part in the concert worked tirelessly for three weeks, not sparing any effort. They missed classes and stayed up till 10 o'clock at night to learn the lyrics, the dance steps and their dialogues.

All the actors performed admirably. Vivek Pathak (as Eliza Doolittle) and Anmol Sahni (as Professor Higgins) shone in their respective roles. In a way all the participants empathized with Eliza Doolittle while rehearsing their lines and trying to get their diction just right under the exacting direction of Mr. Shakespeare Colaco!

The show was a grand success and Mr. Colaco gave the credit for the success of the Musical to the boys. As for the boys, it had been "A smashing, positively dashing, thrilling, absolutely chilling" experience which they would never forget.

Yarukh Jilani, Hamza Khwaja, Lovish Rawal

(Class - 8A)



Kaleidoscope

Events in pictures - 2008



FROM THE PRINCIPAL'S DESK



"A journey of a thousand miles begins with a single step."

Lord, the giver of all good things, we place before you our humble offerings,
the expression of our aspirations, thoughts and emotions.
Bless our efforts, inspire the minds and warm the hearts of those who read these
pages. May this step of ours take us to greater heights of enlightened progress.

William Wordsworth in his poem - "Daffodils", said - "I wander'd lonely as a cloud
that floats on high o'er vales and hills.....". In this age and world which is so fast
moving, one has to be a complete individual, happy, confident and strong so that
one is able to make a place for oneself without being trampled upon.

"Every highway of Human Life, dips in the dale now and then,
Every man must go through the Tunnel of Tribulation before
He can travel on the elevated road of Triumph."

Dr. P.D. Emmanuel
(Principal)



Investiture Ceremony - 2008





ANNUAL

SPORTS



aning Ceremony 2008



AS
NO
UT
ALS



DRILL DISPLAY



DRILL DISPLAY



DRILL DISPLAY



DRILL DISPLAY





PRIZE DISTRIBUTION



COLLEGE BAND



Scholastic Book Fair



Dr. J.P. Fitzpatrick 70th Anniversary





Maths Quiz



Junior School









Teachers' Day



A
S
S
E
M
B
L
Y

INDEPENDENCE

DAY



AQUATIC



MEET





AQUATIC

MEET





ELOCUTION (HINDI) JUNIOR SCHOOL



ELOCUTION (ENGLISH)
JUNIOR SCHOOL





ELOCUTION (ENGLISH)
MIDDLE SCHOOL



Milestone

Br. T.P. Fitzpatrick: Seventy Years of Selfless Service

This year, 2008, Brother T.P. Fitzpatrick completed seventy years as a member of the Congregation of Christian Brothers – a rare milestone.

On the occasion a special service was held in the College Chapel to offer prayers and thanksgiving. The service was attended by our Provincial, Br. Placid and other members of the FLT who acknowledged Br. Fitzpatrick's outstanding contribution and years of selfless service in Christian Brother institutions across the country. He has been at the helm of affairs as Principal and Brother Superior in several schools which have greatly profited by his able guidance and leadership. Ever the perfectionist, he can best be described in the words of the poet, Robert Browning, as being "Faultless to a fault."

Today he is still an active member of the Teaching Staff at St. Joseph's as teacher of Mathematics par excellence. A fatherly figure, he is often approached by children with their problems, confident is the knowledge that he will listen patiently and counsel well. Indeed, he is the very heartbeat of Sem – a constant presence, a life-giving and driving force.

May God bless him with health and happiness always.

*The life of a man consists not in seeing visions and in dreaming dreams,
but in active charity and in willing service.*

—Henry Wadsworth Longfellow



E
N
G
L
I
S
H



D
E
C
L
A
M
A
T
I
O
N



M
I
D
D
L
E



S
C
H
O
O
L





QUIZ



JUNIOR 8





DECLAMATION (ENGLISH)
JUNIOR SCHOOL





EDMUND RICE SPORTS MEET





CONCERT



MY FAIR LADY





CONCERT 2008





ART EXHIBITION





Social - 2008





Final Assembly Middle School



Farewell

ICSE - 2008



Mr. Neri



IN GRATEFUL APPRECIATION

At School Year's End 2008 an aspect of warm gratitude characterized gestures of Farewell to four outstanding members of our Teaching/Administrative Staff. The four people deserving of our warm gratitude were : Our School Nurse J. Chapman, our Senior School Staff member Miss Deepa Shah and our Junior Teacher cum Department Head, Mrs. C. Palmer. And, lest we forget, there's Instructor Mr. Mark Palmer.



For a period of time exceeding twenty-five years Mrs. Chapman bore responsibility for St. Joseph's School Hospital's efficient functioning. There, year out, she diagnosed ailments, doled out medicine - and saw to its being taken - made short work of the fellow with Tom Sawyer's Monday Morning ailment. She knew when the Doctor should be summoned or parents notified. She also realized when such procedures could be dispensed with. All the while, in the practice of her profession, her cheerfully optimistic attitude allayed anxiety. Thank you, Mrs. Chapman.



Miss Deepa Shah joined our Senior-School Staff in the Middle Eighties, placing herself under the jurisdiction of the Late Br. M. D. O'Donoghue. As a member of our Senior School Staff, Miss Shah proved herself an outstanding teacher of English Literature, while high-grade results testified to her capacity as a teacher of English. Associated with the qualities just listed we must mention Miss Shah's capacity to command respect and her ability to exercise moral control even on the casually wayward. Miss Shah, you merit our appreciation.

Farewell

ICSE - 2008



Creative Expression



Wendy



MY FAVOURITE CARTOON CHARACTER

My favourite cartoon character is Jerry, in the Cartoon called 'Tom and Jerry'. He is a mouse and Tom is a cat. Jerry is a very cute and smart mouse. He is always up to mischief. By his pranks, Jerry gets Tom into trouble most of the time. He is so lovable, that when he is chased by Spike, the dog, Tom does his best to save him! He is always on the run from Tom who tries to catch and eat him.

Jerry is my favourite character because being the youngest in my family, I relate to him. I see my older brother as 'Tom' who bullies me most of the time. I wish I could be as smart as Jerry the mouse, and always end up being a winner like him.

Aman Sabri
Class - 1

MY SCHOOL

The name of my school is St. Joseph's College. It is located in Nairital. It was begun by the Christian Brothers in 1888. It is an English medium school. My school is near the Government House. The standard of education is very good. It is one of the best schools in Nairital.

There are many fields and a swimming pool. The name of the Principal of my school is Mr. Peter Emmanuel. I like my school because I have learnt a lot of things. I have a lot of friends here. My school is also known as S.J.C. and Sem. I am proud of my school.

Prakhar Bhatt
Class - 1

MY MOTHER

*"When I cry, she cries,
When I laugh, she laughs,
That I become a good human being is her dream."*

My mother is the most important person in my life. She loves me very much. She has taken such good care of me, and that has made me the smart young boy that I am today! My mother means the world to me. Her love, teachings and guidance are all very important parts of my life.

My mother has taught me the importance of prayer. I now believe that prayers can make miracles happen. It is very true that God made mothers to look after us for Him, on this earth.

I promise that I shall take good care of my mother and will always love her. To me, she is the most beautiful lady in the whole world.

Anirudh Singh
Class - 2

THE MOST SPECIAL PERSON IN MY LIFE

My mother is undoubtedly the most special person in my life. My mother, who brought me into this world, looks after me with a lot of love, tenderness and patience. She takes care of every need of mine, and is ready to sacrifice everything for my well-being.

She guides me very carefully, always making sure I do what is right. She is my teacher. She taught me to take that first step, to utter the first word I spoke and till now is teaching me something new.

My mother is always by my side whenever I feel sad or get ill. She encourages me whatever I do and always makes me feel I am the best!

I thank God for giving me such a loving and gentle mother – the best mother in the world. I want to promise her that her little hero will surely make her proud of him one day.

Shrey Nagpal
Class - 3A

THE ANNUAL CONCERT

On 9th September, 2008 the Junior and Middle School, put up a Musical Play 'The Fair Lady'. It was directed by Mr. Shakespeare. On this day Brother Fitzpatrick celebrated his 70th Anniversary in the Brotherhood.

Many Principals and students from neighbouring schools came to witness this musical. We were honoured to have our Provincial, Br. Placid, and the members of the team known as the P.L.T. from St. Columbo's Delhi. Mr. A. Sandhu, Principal of Sherwood College, complimented our school and said that no other 'Day School' could be able to put up such a magnificent show! All the boys who took part, performed outstandingly, especially those who acted as 'girls'. The costumes and props were very beautiful. The songs became popular among all of us, and till today we can hear the tunes being hummed along the corridors.

We thank our Principal and all the teachers who worked so hard to make this musical a grand success!

Benjamin Emmanuel
Class - 3A

CLASS ASSEMBLIES

We have an Assembly, every Monday morning. The Monsoon brings with our special Class Assemblies, held in the Auditorium. Class Assemblies are held rotation and each class chooses a theme with a moral message. The theme is brought out with the help of dramatization, story telling, special message prayers and songs.

A number of children get a chance to take part and in the end our Principal sums up the message for the audience. The classes try to choose something suitable and the message is loud and clear. Love, Patience, Friendship, School Rules, Love the Country, Generosity, Charity and Punctuality are some of the messages that have been conveyed.

I wait for Tuesday morning, because that is the day we go to the Auditorium. The lit candles and lovely music make the morning very bright! I took part in my Class Assembly. It was on "Independence Day". I felt very proud to stand there as an Indian and remind everyone about our Freedom Struggle, National Symbols and Slogans. I thank all the teachers for their guidance and I want to say that the beautiful messages I have learnt from these assemblies will always be in my heart.

Arjun Seh
Class -

MY FAVOURITE SEASON

When asked to choose my favourite season, I always say I love the Monsoon. It means gumboots, raincoats, umbrellas and the most interesting of all- football!

I love to be in bed and hear the pitter patter of the rain on the roof top. The thunder and lightning make me cling to my mummy and sometimes she sleeps with me when I feel scared!

During the Monsoons, an umbrella, gumboots and a raincoat are part of school uniform. I love to see the different kinds of umbrellas my friends bring to school. Some have big polka dots on them, others have faces of certain comic stars and many are just brightly coloured! I love to look for snails and slugs on the way to school and home. I make paper boats with my friend and float them in the puddle in the field.

My hometown, Nainital, looks so fresh and green as everything is washed by the rain water. On the Flats different football matches are held, which attract many people. Sometimes it starts raining during a game and the spectators have to open their umbrellas to protect themselves. It is very funny when a player falls in a pool of slush.

Oh! How I love the Monsoons!

Tushar B
Class -

THE OLYMPICS

The Olympic Games are the world's most important international athletic competition. These games bring together thousands of the finest athletes to compete against one another in a variety of individual and team sports.

In ancient times, the Greeks gathered in a quiet valley of Olympia to offer sacrifices to their gods. In time, the event came to include games and contests, which finally came to be known as the Olympic Games.

The Olympic Rings are the most widely recognized symbol. The five interlaced rings represent the unity of the five inhabited continents. The five coloured rings on a white field forms the Olympic Flag. The colours—white, red, blue, yellow, green and black—were chosen because each nation has at least one of these colours in its National Flag. The Olympic Motto is "Citius, Altius, Fortius", meaning "Faster, Higher, Stronger." The most important thing in the Olympic Games is not to win but to take part.

The year 2008 was good for India. Abhinav Bindra won a gold medal in the 10 m Rifle Shooting. Sushil Kumar won a bronze medal in Freestyle 66 kg. Wrestler Bhanu Kumar also won a bronze medal in Freestyle 66 kg. Middle Weight Boxing at Beijing.

Rashmiti Pandey
Class - 4 A

READING STORY BOOKS - WHY I LOVE IT!

Reading story books is a good form of recreation. We learn many things by it. I like to read story books because the stories are very interesting. Some stories are very funny and they make me laugh. Other stories teach me moral lessons and encourage me to become a better child.

Some of the pictures in my story books are very beautiful and I try to draw them. Many times I pretend to be one of the characters from my story book and act the parts for my mother when she is not feeling well.

I exchange my story books with my friends so that they can also enjoy the stories I read. My parents encourage me to read so that my English improves and my vocabulary increases. If I do not understand any word, I look up the meaning in my dictionary—my teacher taught me to do that.

During the monsoons, when I cannot go out to play, I sit in my room and read my story book. My parents buy me many books during the rainy season. They always tell me it is better to read books than to watch television. I believe them!

Abhinav Sharma
Class - 4A

MANNERS MAKEH A MAN

Manners means the social behaviour of a man. Human beings live in a society and this society is the mirror of man. This is the way in which man presents himself in front of all the other people. The pattern of a man's behaviour is solely responsible for a good society. It is a true saying that what is sown is reaped. This means if a child taught good manners, politeness, honesty and generosity; these qualities later become his behaviour as he grows older. All these qualities are difficult to follow, the results which we get by carrying them out is very rewarding.

A person is called a 'Gentleman' when he behaves in the correct way. For example he will always wish people, offer a seat to a lady in the bus, never shout loudly or be rude to anyone. A well-mannered person is always looked up to and is as an example to others. He is always kind and considerate. We should remember that 'manners makeh a man'!

Shivam
Class -

FOOTBALL SEASON IN ST. JOSEPH'S COLLEGE

Football is played in the rainy season. We have Inter-House matches in school. I am in Nehru House and I hope my House will win this year! We play football on the fifth field of our school.

We have Inter-School matches in town. The teams are divided into categories -Mini's and Juvi's. We have the Nirip Deep Memorial Football Tournament in our school. We invite other schools to participate in this tournament. Our school team also participates in the Edmund Rice Sports Meet. These matches are very interesting. This year the Meet was held here in St. Joseph's College Nainital.

The State Bank Mini Soccer Tournament is popularly known as 'Mini'. Almost every year the trophy seems to be waiting to be won by Sam. The football season is eagerly looked forward to by one and all when the cries of 'East or West, is the Best', echo through the air.

Anand
Class

HOME WORK - A BANE OR A BOON?

Home-work! The very word makes all smiles vanish and one thinks of an evening drowned in books. History, Geography, Maths..... the list is never end. Home-work is a bane for some, but for me, home-work within limits, is definitely a boon.

Home-work is meant to be just a *review* of lessons taught in class, for the mind to keep in touch with the information imparted during the day in school, which certainly does not require pages and pages of writing and over burdening. An hour of study and review would be enough. This would help us to memorize things effectively.

Home-work in subjects like Maths and English is important because it gives us effective practice. Written work helps us to increase our speed, and helps us to concentrate. Home-work, within limits, helps us to remain focused on our work and divide our time in the evenings between work and play.

Home-work is also a process of self education as the assignments set make us look for more information on so many different topics. We learn to work independently, learn to make effective use of books in libraries and the knowledge from the internet. This self study makes us more aware of everything around us and makes us more confident.

Therefore, people who say Home-work is a bore, are definitely mistaken. With Home-work we become 'workers' not 'shirkers'.

Kashish Rawal
Class - 5A

THE CURSE OF CHILD LABOUR

Child labour is a serious problem in many parts of the world. Many child-labourers live in countries in Latin America, Africa and Asia. The children work in poor conditions and have little or no chance of receiving any formal education. The meagre income they are given is not enough for them to live on.

During the industrial revolution, children were employed in factories where they had to work for long hours. Conditions were often dangerous, especially for those who worked in mines. The practice of employing young children in factories proved profitable and so became very popular after the industrial revolution.

Child labour denotes the employment of minors, especially in work that may interfere with their education or endanger their health.

Throughout the ages, in all cultures, children joined their parents to work in the fields, in the market place and around the home, as soon as they were old enough to perform simple tasks. The use of child labour was not regarded as a social problem until the introduction of the factory system.

Paras Bishri
Class - 5B

NATURAL RESOURCES- WHY THEY SHOULD BE CONSERVED

*All things bright and beautiful,
All creatures great and small,
All things wise and wonderful,
The Lord God made them all!*

Yes, our Good God and our Ever-loving Father, created everything for us very carefully, so that we are never left in want of anything.

He also blessed us with natural resources in abundance, which man identifies and utilizes to the best of his ability. Soil, water, forests, air and minerals are called natural resources. These natural resources are divided into two categories- Renewable and Non- renewable. Renewable resources are those which never cease to exist, like the sun, wind and water. The energy of the sun is trapped in solar cells and is used to run solar cookers, heaters and lights.

Wind energy is used in wind mills which help to generate electricity, like the energy of water which is used to generate hydro-electricity.

Fossil fuels are the non-renewable resources which are found in limited supplies and so have to be used carefully as once they are exhausted, we will be in real trouble.

So, conservation of natural resources whether renewable or non-renewable, is a must or else very soon we will not be able to check the damage we have brought upon ourselves. Soil must be preserved or else very soon the earth will become a barren land or desert. Forests must be conserved by afforestation as their importance to the atmosphere cannot be overlooked because they produce oxygen and use up the carbon dioxide. Water must be conserved as it is the source of life.

Natural resources are a country's wealth. A nation's progress depends on the judicious use and conservation of these resources; hence natural resources must be preserved to ensure the well being of our future generations.

Pragjwal Tiwar
(Class - 5)

True charity is the desire to be useful to others without thought of recompense

-Emanuel Swedenborg

NATIONAL INTEGRATION

When I am asked to think about "National Integration", I see or recall the famous words- 'Unity in Diversity'. The best example of this is the Spirit of Sam.

For more than a hundred years, this famous institution, with its visionary Principals and selfless school teachers, has brought about an international integration efforts. Today, in 2008, this institution is nurturing in its lap, boys from various states of India as well as some from abroad.

Back home, during our holidays, we speak different languages. We cook----- Oh! I am sorry-- our mother's lovingly cook and we eat, different types of food. We come from different ethnic backgrounds. We also have diverse festivals, ceremonies and ways to worship the Almighty. We are able to do all this because the Indian nation allows us to practice our diverse ways of living. With this freedom, India also gives us an important responsibility, the responsibility to live together within a certain frame work of civil society. The responsibility to grow as good human beings.

Time and again in India, we have seen that when there is a disaster, man made or natural, all the citizens of India come together to render help and try to mitigate the hardships of their fellow human beings.

They try to lessen the suffering of each other and stand united as one to face any calamity. I will always remember my school- St. Joseph's College as a living example of National Integration.

Aditya Sah
Class - 10

*With malice toward none,
with charity for all,
firmness in the right as God gives us to see the right,
let's finish the work we are in.*

—Abraham Lincoln



Of those named in the first paragraph of this narrative, Mrs. C. Palmer was the person associated with St. Joseph's for the most lengthy period of time - thirty-odd years. The Junior School constituted Mrs. Palmer's area of effort. In the classroom Mrs. Palmer combined the qualities of a firm disciplinarian with the characteristics of someone capable of impressing school matters on infantile mental structures.

Moreover Mrs. Palmer's to exercise control made itself evident as she established authority over a typical teen-age group of I.C.S.E. Candidates in an Examination Hall. There she commanded with effortless ease. Good-bye Mrs. Palmer. We shall not see your like again.



The ladies came first, there still remains Mr. Mark Palmer who also merits a word of appreciation. The ladies aforementioned had attended competently to classroom and medical matters while Mr. Palmer's capacity as an organiser and on-the-spot instructor where track and field events were concerned is worthy of appreciative notice.

Weeks before Sports Day Mr. Palmer would busy himself with items associated with the drill-display. In this area of effort he drove home the notion that feet and bodies must conform to the notes from the band and obey the message of the Big Drum's beat. Alas, a few years ago, a seizure involving brain-damage rang down the curtain on Mr. Palmer's efforts in the Drill Arena. However, and despite his handicap, manfully he attempted to prove himself useful where Indoor-Games were concerned, until recently when on-going disability constrained Mr. Palmer to say 'When'. In earlier years he had done a good job. The effort he made in later years earned him our admiration.

MEMO

From: A Child

To: His Parents

1. Don't spoil me. I know quite well that I ought not to have all that I ask for. I'm only testing you.
2. Don't be afraid to be firm with me. I prefer it; it makes me feel secure.
3. Don't let me form bad habits. I have to rely on you to detect them in the early stages.
4. Don't make me feel smaller than I am. It only makes me behave stupidly big.
5. Don't correct me in front of other people. I'll take much more notice if you talk quietly with me in private.
6. Don't make me feel my mistakes are sins. It upsets my sense of values.
7. Don't protect me from consequences. I need to learn the painful way sometimes.
8. Don't nag. If you do, I shall have to appear Deaf.
9. Don't forget that I cannot explain myself as well as I should like. That is why I am not always accurate.
10. Don't put me off when I ask questions. If you do, you will find that I stop asking and seek information elsewhere.
11. Don't tell me my fears are silly. They are terribly real and you can do much to reassure me if you try to understand.
12. Don't ever think that it is beneath your dignity to apologize to me. An apology makes me feel warm towards you.
13. Don't forget that I thrive on lots of love and understanding but I don't need to tell you that, do I?
14. Please keep yourself fit and healthy. I need you.

Tilak Purohit
Class - 10

SNOWFALL

Snow, pure white and soft as cotton, fell on the ground and on the roof of my house. By afternoon everything was covered with a soft, white blanket of snow. As soon as the snow stopped falling, children rushed out to play, shrieking with delight and letting out squeals of laughter. They made snowballs and threw them at each other; they also made a snow man, wearing a red cap and a green muffler. The clouds parted and the sun shone once more. As soon as the rays of the sun fell on the snow its white colour changed to a magical golden. While the children played, the elders got to work clearing the snow from the front of their homes.

Evening came and the children trooped home – cold and tired after many happy hours spent frolicking in the snow.

Balmakund Kumar

Class - 8B

HONESTY IS THE BEST POLICY

To be honest in thought, word and deed – this is what we mean by honesty. Policy, here, does not mean any diplomatic standpoint, the simple meaning of 'policy' in this context is manner and behaviour. Honesty always brings a feeling of great moral courage and makes us believe in ourselves. One does not live in fear of being exposed or that someone may get to know the wrong deed one has done; so if one is honest one lives with a feeling of confidence. A clear conscience is the greatest strength and this comes only by acting and thinking honestly. Never lie, cheat or deceive anybody and you will be an honest person. Honesty is the best way of life.

I would like to give the example of one of the greatest leaders the world has ever known – Mahatma Gandhi. He was famous for his belief in truth. I would like to relate an incident that happened when Mahatma Gandhi was a child. He and his cousin had tried smoking some left-over cigarette stubs, afterwards he felt guilty and apologized to his father in a letter. He told the truth and his father forgave him. So, here the only and the best policy was to show honesty. To tell the truth, we all have been dishonest sometime or the other! It is possible that sometimes we have got away with it, but we have to weave a web of lies to hide a single lie. Then our mind is never at peace and somewhere we have the feeling of guilt. It is much better to be honest.

THE BEST POLICY WE CAN EVER ADOPT IS HONESTY.

Balmakund Kumar

Class - 8B

SENIOR REFLECTIONS



YAMAHA R1

FINAL VELOCITY

Bikes – the best thing that ever happened to men since women! This tale is about a boy, his 1028 cc Yamaha R1 and an ambition, a burning desire, a dream to become a stuntman! Varun Rautela, better known as Vroom, had been extremely fascinated by bikes since childhood. And now, when he owned one, he had adopted a very peculiar hobby of performing stunts, a wide variety of stunts-from simple burnouts to mind bending orion splits- guaranteed to send a chill down your spine! Vroom had become a youth icon. Within months he had become popular among local T.V. serial producers and directors. The rumour was that he had signed a contract with one of them! It was certain that Lady Luck would smile graciously on him all the time. But the sixth of February, 2007 was an exception. Vroom was riding back home when he saw a bunch of neighbourhood boys cheering and shouting as they saw him. Varun got a little carried away and zoomed around them, performing wheelies and stoppies to spellbind his spectators. There was a sound of the rear wheel brushing against the ground at top speed- it was a burnout, but a very unusual one. The spectators could see orange coloured sparks flying off the rear wheel, but no one seemed to have understood the problem, in fact it was even more spectacular for them! After all, it is not everyday that one gets entertained by a real life stuntman. Varun, who was unaware of the problem with the rear wheel, released the brakes and took off for a wheelie. As he lifted the bike, the pressure on the rear wheel started to increase. The bright, orange-coloured sparks now turned into a dull crimson. As his front wheel touched the ground again, Varun accelerated and then screeched to a halt. He turned his bike around again and shifted to first gear. He started at a slow speed, positioned his left heel on the ground, turned the handle slightly to the left and accelerated to produce a twisting orion split. The crowd cheered as madly as they could, but the cheering was drowned by a much louder sound which was created when the rear wheel was sent spinning down the road at great speed. The crowd's excitement turned to dismay when they saw Varun lying on the ground with deep cuts and bruises on his face.

Vroom was admitted to hospital where he spent three days under treatment. He had fractured his right arm and his lower ribs. The engine of his bike was shattered to pieces, the head light was smashed and he had to buy a new rear wheel for the bike. Chase your dreams, but chase them within the speed limit. Break the speed limit and you meet your final velocity.

Abhishek E.Tyagi
Class - 9 A

"THE LISTENERS"

(With apologies to Walter de la Mare)

- "Is there anybody there?" said the traveller,
Knocking on the sunlit door,
And his companions stood there smiling,
On the shining marble floor.
- "A man stood holding a camera,
Some women stood holding balloons,
Looking very happy and waiting,
For someone to open the door soon.
- "But no one replied to the traveller,
No face from the painted window sill
Lean'd over and looked into his shining eyes
Where he stood confused and still.
- "The people who dwelt in the house,
Heard the traveller's call,
But no one answered the door
Because they were getting ready for a ball.
- "No one was bothered or concerned,
No one even spared a thought
As to who was at the door
So boldly knocking it.
- "The traveller was wearing a handsome dress,
With a bright red tie,
But when no one answered
He was ready to say, "Goodbye!"
- "He smote on the door even louder
And waited for the master,
But after a minute
Still he got no answer.
- "He turned away and signalled
To his companions to leave.
A shining cheque was in his hand
Which the family would have received.
- "The family was not interested,
Even when they heard the receding footfalls on the floor.
The traveller said to his companions,
"Perhaps the LUCKY ONE is next door."

USAIN THE LIGHTNING BOLT

Usain Bolt is a very famous name in athletics today. He is a sprinter from Jamaica. Usain broke all records in June 2008 by running the 100m race in just 9.72 seconds. He was hailed as the fastest man in the world that day, but history was to repeat itself at the Beijing Olympics later during the year.

Everyone was looking forward eagerly to seeing Usain in action. At last the day arrived, the race started and Usain was off in a flash. He shot ahead of the rest and won the 100m race yet again setting a new world record of 9.69 seconds. He broke his own record, thus proving once again that he was truly the fastest man on earth.

Zain Raza

Class - 9A

PALINDROMES

Palindromes: - A palindrome is a word, a sentence or a phrase that has the same spelling and meaning when read from left to right or right to left.

Some palindromes can be words like:-

- Malayam
- Deed
- Madam
- Peep
- Civic
- Rader
- Pullup
- Level
- Nun

Some palindromes can be sentences or phrases like:-

- Don't nod.
- Email, a sleepy baby peels a lime.
- Was it a car or a cat I saw?
- A Toyota.
- Put it up,?
- Borrow or rob.

Compiled By
Akash Deep Kohli
Class - 10B &
Archit Gupta
Class - 10B

CRICKET IN INDIA

After India won the Cricket World Cup in 1983, the importance of cricket increased. It has become the dream of every young Indian to be a cricketer.

Every good work should be appreciated, but within limits. Cricket has mesmerized us. Children, adults, men, women are all cricket enthusiasts. There are extreme mood swings when we win or lose a match. 'Cricket is my religion and Sachin is my God' - this slogan shows the addiction of the Indians to this game. People waste precious time watching a match all day and it may very well end in a dismal draw.

Cricketers in India are given the status of celebrities; they stay in five-star hotels, become brand ambassadors and advertise various commodities for hefty fees. After the World T-Twenty victory, followed by the Indian Premier League, things have never been rosier for cricket.

Years ago we had the best Hockey team and Hockey was our national game. The interest in the game has waned and both the players and spectators appear apathetic. The dishonour of not qualifying for the Olympics tells a sad story indeed. Is this, maybe, an aftermath of the cricket hype?

Cricket provides entertainment but also leads to betting and speculation. Admiration for it and cricketers should be in moderation and the game itself should not become an addiction.

Devashish Lalral
(Class - 9)

Though always popular, Cricket has become the most expensive and important game in India. In my opinion, this is not right.

Our national game, Hockey, deserves greater prestige. Very few steps are taken to promote Hockey and the standard of the game is at its lowest.

Too much money was spent on the Indian Premier League. If the exorbitant expenditure was distributed among other games then Football and Hockey would have benefited.

India ranks fourth in the world in Cricket, but stands nowhere in other games. Individual performances might win us some kudos but the standard of sports in India, in general, leaves much to be desired. Authorities should promote talent in other fields, provide incentives to players and training facilities instead of being obsessed by Cricket and cricketers.

Deepesh Dharansath
(Class - 9)

LUNCH RECESS

Recesses are welcome after tedious, boring periods for most boys. Boys eagerly await the lunch break because they are hungry at that time. The classes are locked within 10 minutes by 'Gopal Bhaiyya' who shouts at the top of his voice to get us out of the class, but the boys often don't listen. However, when he manages to lock the classes, some boys get in through the back door.

Boarders have to proceed to the dining-hall for their meal. Dayscholars sit with their tiffin-boxes enjoying delicious home food. When the boys emerge from the dining-hall, some rush to 'Cakery' and others roam around the field with their hands in their pockets or on the shoulders of other boys in the group, as if they were walking in a pack with their girl-friends.

Boys play everywhere - in the field, the quadrangle and the under-croft. Like mad bulls, everyone seems to be chasing balls. They play, oblivious to sweat and heat. Some boys perambulate in the corridor gossiping and sharing secrets with each other. Some boys walk with younger brothers to comfort or give advice, which they never follow themselves.

The bell rings and all the boys rush back to class to endure three more periods before school finally gives over.

Curpreet Singh Bedi
Class - 9B

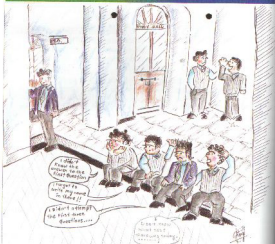
EXAMINATION HANGOVER

The last examination was over and class prefects were swiftly collecting the answer scripts. It was interesting studying the expressions on their faces. Two of the four boys had a smug satisfied look, while the other two looked sad and gloomy. I was feeling very nervous but at the same time I was happy that the stressful fortnight had come to an end.

The boys in the hall, for the most part, looked happy and were just waiting for the instruction to leave the hall so that they could scream with joy. Some looked not so happy but all looked relieved.

I reached home. Somehow, I entered without being noticed and sat on my chair. However, my mother had seen me. There was a feeling of emptiness, not unpleasant though, and at once my mother asked me about my Examination and if I had come to know my marks in any subject. I did not answer, feeling exhausted, and lay down.

After lunch I actually felt at a loose end. I went to town and it took me some time to realize that the dreaded tests were over.



I slept early and got up late. Temporarily, my mother turned a blind eye to my watching television and sitting at the computer. After one day of complete freedom, I'll confess, I was drawn to my books. I sighed as I took out my Maths book to practise some sums. My teacher said that studies are the passport to success and prosperity. I couldn't afford to be careless with this passport to a bright future.

Ujjwal Dalakoti
Class - 9B

SEM'S HAIRSTYLES

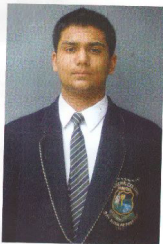
An array of hair styles are on display in Sem. You can spot many a decent side parting competing with funky spikes. Hair styles commonly adopted by boys are side parting, middle parting, spikes, middle spikes (Beckham's hairstyle) and V-cut. Boys of classes 9 and 10 are the first to start the fashion. Boys from classes 6 to 8 emulate their seniors. Students of classes 1 to 5 do not need to comb their hair because the



length of their hair is not more than 2 cms, which in itself is a style and handy too because they are not able to comb or manage their hair properly. Another advantage is they can't pull each other's hair. However, when the length of their hair is long, then they manage to look unkempt.

Seniors are more discreet in their adopted styles and water them down when they are too flamboyant and noticeable. Boys sometimes forget to bring their note book or book and to do assignments but they never forget to style their hair! 80% of the boarders apply water on their head early in the morning so that they can have a decent head of hair. Then it doesn't matter how cold it is. Every year atleast one new hair style evolves, like an invention in science and technology. Teachers are the only ones who always adopt a simple and decent hair style. There must be a reason for this? Maybe they want to set a good example.

Amol Garg
Class - 9B



NAMIT PATHAK

**Winner of the
Anirudha Bhargava Trophy
For the Best Performance
in the
ICSE Examinations of
2008**

OUR DREAMS

Every youngster in this world dreams of success. The youth today want to become engineers, doctors, industrialists by going to various prestigious institutions. Some youths are attracted to glamour and choose sports or acting to fulfil their ambitions.

Young people want to carry home a big pay packet and prefer private jobs to government ones where salaries are not so high but there is security and comfort. Most boys and girls visualize themselves in important positions and earning well. They are for the most part diligent and prepared to work hard and for long hours, provided the remunerations are good. Undoubtedly, they earn well but working under pressure takes its toll. They are prone to illness and stress.

It is not possible for everyone to be a famous footballer, cricketer or to shine in the corporate world. Foolish aspirations can leave youngsters bitter and frustrated. The youth have to be practical. It is true a man's reach should exceed his grasp but the goal should suit an individual's ability.

It is a privilege to be permitted to dream. It is within our power to turn dream into reality. We youngsters should and do dream big but we should also dream of a better world, kinder people and help each other to realize our aspirations.

Saurav Bhargava
Class - 8

DAYSCHOLAR PREFECT

I still clearly remember the 4th of April, a Friday, when in the course of the normal proceedings of the day, an extraordinary event took place – the investiture of the Captains and Prefects for the year 2008. I was appointed the Dayscholar Prefect and the moment I heard my name announced I was swept by waves of emotion that only I could feel and understand. I felt honoured and humbled at the same time.

My first few days as Prefect began with nervousness and anxiety. I realized that when you are in a position of responsibility even a slight indiscretion or weakness may mar your life. I was determined to do my best and fulfil the hopes and expectations of those who had reposed their trust in me.

Now, as the school year draws to a close and the time to plunge into the real world outside draws near, I realize that the only certainty in this uncertain world is that everything comes to an end. Thank you, Sir, for the innumerable ways in which you have helped me. Last, but in no way the least, my fellow companions, I thank you for your support and co-operation without which nothing could have been accomplished.

Aditya Choudhary
Class - 8

WOMEN FACE GENDER BIAS IN INDIAN SOCIETY

(Winner Inter School Debate, PULSE 2008)

It is a grim reality that women do face gender bias in Indian society. I would like remind you that this topic is not a difficult one. It requires no minute sifting of facts, it is as clear as black and white. I would like to bring out the striking contrast between the scenario in a developing country, such as India, and a developed country like the United States of America.

"When you grow up, you can be whatever you want to be", - little girls in America hear this all the time from their parents and teachers. Almost everywhere they go, they are encouraged to be just as smart, athletic and successful as boys. Even the pictures of 'spunky' girls posing for a magazine cover at the check-out stands tell them that when you're a girl, anything is possible. The scenario is just the opposite in India. From the day they are born, girls are constantly reminded of the things they are not allowed or supposed to do.

Jawahar Lal Nehru during a public address made post-independence said "When a boy is born in India, friends and relatives exclaim congratulations. A son means insurance. He will inherit his father's property and get a job to help support the family. When a girl is born, the reaction is very different. Some women weep when they find out that their baby is a girl, because to them a daughter is just another expense". We might have achieved independence from British rule but the shackles of Indian orthodox beliefs still bind us today.

India, unfortunately, has always been the hub of female infanticide. A girl is exposed to evils like dowry, neglect, infanticide, sex selective abortion, abuse and even worse - sex trafficking. Bear with me if my words sound harsh, but they reflect the harsh reality of the discrimination faced by women in Indian society. Education is the weapon that can break the pattern of gender discrimination and bring a lasting change for women in India. Educated women are needed to end this gender bias. Let us take the initiative for we can make a difference - you and I. Stop talking and start acting. Let India shine as a country known for its gender equality. I am not sure whether my words are enough to inspire you for I have neither the wit nor the worth, but if my words even make you seriously reflect on this problem, I shall consider my purpose well achieved. If we are to make a difference it will come through actions backed by strong intentions.

Utkarsh Pande
Class - 10A

CHILD LABOUR

O thou cruel masters of this world,
I ask for thy help,
I pray to thee to stop this cruelty.

Cruelty to those,
Those little stars who were born to shine.
Think, just think,
If they were children of thine.

I beseech you to be merciful.
They are flowers,
They are laurels,
They are the future of our nation.

Child labour is the greatest sin.
Fight-thou must against it fight.
Let every child study
Because it is his right.

(Winning entry, Inter-School Competition-PULSE-2008)

Prithviraj S.Rishi
Class - 10A

JULIUS CAESAR

Julius Caesar was a great man
He didn't belong to any clan.
He was always full of life,
And dearly loved Calpurnia, his wife.
He had many faithful friends
Antony was one of his most trusted attendants.
Brutus loved Caesar
From the bottom of his heart.
Caesar too trusted him from
The very start.

But then came the Villain Cassius
Of whom great Caesar was very suspicious.
Cassius lured Brutus into his net.
"Caesar is a tyrant"- that is what he said.
He told Brutus that Caesar would become the ruler of Rome,
The people would feel like strangers in a country that was their home.
Brutus for the sake of his people stabbed Caesar,
And dying Caesar's words were:
"Et tu Brute?"
Thus fell mighty Caesar -
Never again will there be such another.

Aditya Choudhary
Class - 10A

GOODBYE! SISTER CHAPMAN

On a wet Monday morning we all assembled in the Auditorium to bid farewell to Sister Chapman who served Sem for 20 years. As the staff and boys took their seats a sombre air pervaded the hall. The Class 9B boys had an assembly in her honour. The topic was 'A Meaningful Life'. Many boys expressed their views on the meaning and the different aspects of life. A very telling point was made by one of the boys, namely, that life is a reflection of our deeds. The two Power Point Presentations were interesting and relevant.

Very touching speeches were made. The first speaker, Tanmay Shett, expressed his gratitude to Sister for her help and love. My speech too expressed similar sentiments and wished God's choicest blessings upon her and her family. Sister appreciated our efforts. Then the Principal presented a bouquet to Sister and the assembly ended.

Sister, we are very sad at your departure. You will always remain in our hearts and prayers. We pray that life will bring you joy and success.

Asharya Mehta
Class - 10B

MY GREATEST FEAR

There are many things we fear, at times unreasonably. It can even be the fear of stray dogs biting you. Although this is not always the truth. Many dogs are simply playful and harmless, if left undisturbed.

However, there are some deep-rooted fears. I fear losing my happy family. My family gives me identity and is the only reason for my existence. Many a time I think what it would be like without my family. When I think of the orphans on the road, I realize I am blessed. God bestowed me with such a loving family unlike many people in this world.

Elders say this fear is a feeling of insecurity. I am told to treasure my family, enjoy it and yes, help the unfortunate orphans of the world.

Manas Bhatnagar
Class - 10 B

EQUAL SHARE

Ancestral and parental property should be divided equally between girls and boys. Born of the same parents, it is grossly unfair that a girl should be deprived of the right to inherit her parents' property with her brother because of gender discrimination.

Indian society has been a male dominated one and it was the norm that sons receive the lion share of the parents' legacy. The girl received her share in the form of her dowry which was nominal compared to her brother's inheritance.

I personally feel a girl child should have equal right to her parents' property. If a brother feels otherwise then, I think, he does not understand genuine sibling relationship.

However, the interests of the brother also have to be respected. For example, if the father owns a shop and the son is taking care of it, one cannot be expected to divide the shop or business. The girl can then be given her share in some other form, like a piece of land or house.

A brother should instinctively feel that his sister is entitled to an equal share, only then is he a brother in the true sense of the word.

Rohit Jain
Class - 10B

EDUCATION

In this competitive world it is not possible for a country to progress unless it lays stress on the education of its citizens. Illiteracy spawns ignorance, superstitions, narrow-mindedness and limits the mental and physical boundaries of life. Knowledge gives dimension to life and education is the means to come by it.

An illiterate person has no standing today. Only an educated person has the opportunity of securing a decent job. One can understand the near hysterical concern of parents to get their children admitted into good schools and their anxiety over marks and ranks. Their attitude is justified for education is the passport to their dreams for their offspring.

Education also has drawbacks. Man, despite his vast knowledge, is exploiting nature for his need as well as greed. Gandhiji rightly said that there was enough in the planet for man's need but not his greed. Man is utilizing his greatest asset, education, for his own destruction. Infact he is digging his own grave. Knowledge should be utilized for satisfying our imperative needs not for building arsenals! Education provides us tools for construction and weapons for destruction. It is up to us which aspect of education we give importance to.

Education is necessary but has to be channelized to help mankind and make this place a better place to live in. Knowledge is hydra-headed and has to be respected and handled with care. It should not be permitted to disrupt our balance and overpower our sense of decency.

Kritarth Pant
Class - 10B

MY HOME TOWN

I live in Pithoragarh, economically, one of the fastest developing towns in Uttarakhand. It enjoys a cool climate because of the Himalayas which provide a breathtaking view from every vantage point. Nepal lies in close proximity to it and this has made it a popular shopping centre for Nepalese as well as local goods. This and its scenic beauty have encouraged tourism in Pithoragarh.

A domestic airport is nearing completion and will soon be operable, thereby further encouraging the influx of tourists as well as export of local goods, like blankets and carpets. The Border Security Force plays a major role in maintaining security and stability in the town. Pithoragarh lacks communication facilities and good educational institutions which have improved slightly of late. Due to Maoist problems in Nepal mobile network and internet facilities were not permitted. This naturally hampered progress in the region.

Despite some shortcomings this place is developing admirably and has great potential for generating hydro-electricity, as a large number of swift perennial rivers flow through this region. The electricity generated can make Uttarakhand independent of other sources of energy. Pithoragarh has an extensive forest cover with rare species of flora and fauna which have commercial as well as medicinal value.

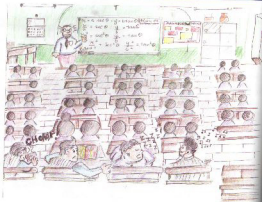
The people here, as in all hilly regions, are simple and courteous to every visitor. It is a beautiful and peaceful town and, in my opinion, the best place in the world.

Kritarth Pant
Class - 10B

BACKBENCHERS

The best way to get noticed is by doing quality work and the most effective way of remaining inconspicuous is to be a complacent backbencher. As the name suggests a backbencher is one who sits at the very back. Naturally people will think that a person who sits at the back is up to no good! But who can best explain the life of a backbencher better than a backbencher himself? I can, being one myself, gauge the intentions, feelings and desires of other backbenchers.

A person who sits at the back of the class can, when he wants, be mischievous with impunity. He can produce weird noises with his feet or by rocking the desk while the teacher is at the blackboard or busy explaining. But he must know the art of



wearing an innocent expression. He can doze off when tired or bored but in such manner that he appears to be studying his book very conscientiously. If he is very daring he can switch on his music system and tune in to FM. Nibbling at tasty tidbits his favourite pastime, only he has to chew and swallow with care.

The above mentioned practices can make a backbencher's life ideal and happy but it is not always smooth sailing for him.

First of all, under a vigilant teacher, a backbencher is ineffective. Furthermore he will not be attentive and, therefore, secure poor marks. Parents will then force him to study harder, attend tuition classes and ultimately end up being stressed and unhappy.

If a backbencher gets caught once, evil days fall upon him. In the event of any further nuisance in the class, he will be the main suspect. Chances are that he will miss out on important announcements and while trying to consult his friends, either end up getting the wrong information, or into trouble.

Objectively, it is not always a good idea to be a backbencher and so if there is place somewhere in front or under the teacher's nose, please grab it.

WAY UP TO SCHOOL



Early in the morning, when I leave home for school there is peace and quiet all around. I am glad to see the fading moon and rising sun simultaneously. I feel it is the most beautiful sight and I am fortunate to witness it. There is greenery everywhere and the chirping of birds is louder than at any other time of the day.

While walking along the Cantonment Road, I pass stately pine trees that sway and dance to the rhythm of a strong breeze. I pass joggers - men, women and children - and people walking their dogs. The lake is calm, its surface smooth except when the wind ruffles the water. I meet some of my class-mates who are going for tuitions.

The main market has a strange deserted look though some shops are open. The street dogs bark as people pass. From the bazaar, it is a steep and exhausting climb to Sem. I can hear the sound of the temple bells and I pause to gaze at the distant range of hills shrouded in a haze. Near the courts, vehicles pass me. They are packed with students of various schools and from distant places. The road up is lined with oak and chestnut trees. Naturally there are packs of monkeys foraging among the branches. Some cross the road nonchalantly or sit on the parapet along the road. I am careful to avoid eye contact with them and walk swiftly past them, which I think is the best thing to do.

I am usually one of the early arrivals and find the school unnaturally quiet because the boarders are having morning study and the dayscholars have not yet arrived. By 8:30 study time is over and dayscholars are arriving. Suddenly the place comes to life with noise and movement and a new day has begun in Sem.

Mehd. Hasnain Raza
Class - 10/08

TEENAGERS AND ELDERS

The generation gap between elders and teenagers is divisive - this is a platitude but a reality to be accepted. In my opinion this is due to ignorance of the fact that all matters can be perceived from different angles. We can be conventional otherwise, but we also need to be flexible.

Teenagers need guidance but this is not possible if they are misunderstood or if we need someone to share our experiences with, someone we can confide in. Teenagers are no different. It is at this time that parents and elders play a pivotal role. However, due to lack of communication teenagers prefer to go to their friends. I am sure no one will disagree that friends are the best people to talk to, but not quite the people one should go to for advice.

"Go to school, come back home and study hard, get good marks and become a doctor or an engineer." This is precisely what parents and elders say and want their youngsters to do. Do teenagers think along the same lines? I can assure you many do not. How would most parents react when told by their son that he wanted to become a footballer or an actor? They would think the son had gone berserk!

Passions, aptitude and opinions of today's teenagers are misunderstood by parents and elders. A teenager's passion is frequently mistaken for a hobby. Teenagers require guidance, but stifling their dreams and passions is definitely not 'guidance'. Parents aver that they wish to keep their children away from 'all sorts of distractions' just because they are good in studies. However, there is a possibility that their child might have the potential of an A. R. Rahman or a Beichung Bhutia.

Teenagers sometimes do not confide in elders because they know discussions with them are of no avail. They are considered naive or immature.

I feel that parents and elders need to be broadminded and flexible. They must take into consideration the youngsters' opinions. To bridge the generation gap, a lot of work needs to be done and, therefore, society has a mammoth task ahead.

Divyjet Singh Saini
Class - 11

THANK YOU SEM

I enjoyed the proud privilege of being appointed the Dayscholar Prefect for the year 2008. The day the badge was conferred on me, I will always consider a high moment in my life. Frankly, I have always been quiet and reserved and I was naturally amazed on being selected for the responsible job.

I was one of the flag-bearers, along with the other Captains, during our Sports Meet. This instilled confidence in me. It was a heady experience having youngsters looking up to one in awe. As a Prefect there were opportunities galore of exercise

There have been moments of regret too. When we were playing football with St. John's Chandigarh our scores were level. It was time for a heroic move and I

and I felt proud of my achievement. It seemed like the crowning moment of my time in Sem. The honour meant a lot to me.

The most memorable incident was when I was selected as House Vice-Captain. bee-haired like dunking at me.

When I examined the shirt, I found it was mine! Funny indeed it was for the others who the dirt off my shoes, so did everyone when I helpfully passed around the rag. Later shoes before inspection. We went into the locker room and I found a shirt and wiped experience was when, after playing football, we required a piece of cloth to wipe out. There have been many unforgettable moments in Sem. The funniest

class 10 and both consciously and unconsciously I am always proud of being a Semite. quadrangle. I was attracted by the enormous buildings. We have a long journey to

I walked up the path beside the swimming pool and stepped into the

THE SEM ODYSSEY

Compiled by
Alakh Deep Kahl
Class - 10B

- So let these things be as they are and live life as it is.
- The food which you like is bad for your health and which you don't is good for health.
- The thing which you are looking for is always found in the end.
- People who most need to be remembered are the ones who are most likely to forget.
- Why is it that to manage time, we have to manage time to read books on time management?

INSCRUTABLE LIFE

Mayank Bhandari
Class - 10B

meeting Sem. I am sure I am a better person and will remain so. I am grateful to Sem for instilling trust in me. For today, as I am on the verge of experience which, I am sure, will help me in the years to come. and Semina in dealing with one's juniors. All in all the office provided a learning cannot be permitted to have the upper hand. As a leader one had to practice patience Captain, for better or for worse. I learnt that the School is pre-occupied and one's ego As a Prefect I had to mind my manners, for juniors have a tendency to emulate College rules and regulations to be a true, genuine and loyal Semite. authority and fulfilling responsibilities. However, a Prefect too has to adhere to

THE SCIENTIFIC TOUCH IN ENGLISH LITERATURE

Science and the Arts are the handmaids of learning.

In no way is this more strikingly true than in the admirable manner in which Science has lent itself to the enrichment of the English language. With as little verbal effervescence as possible I shall, in the lines which follow, cite a few examples of forceful and figurative scientific language from some English authors, more famous for literary than scientific knowledge.

Thompson's essay on Shelley is conspicuously steeped in chemical metaphor. Speaking of the poet he says, "The coldest moon of an idea rises haloed through his vaporous imagination; the dimmest sparked chip of a conception blazes and scintillates in the white oxygen of his mind." We may not agree with the same essayist's opinion of Byron, but we must admit the cleverness of his language where he speaks of the genuinely corrupt Byron, "through the cracks and fissures of whose heaving vortification steams up perpetually the sulphurous vapours from his central iniquity."

Matthew Arnold, that stern critic of literary ability, dubbed Shelley, "a beautiful but ineffectual angel", but we cannot deny the fact that Shelley could use the scientific point with an artist's brush. Note what he says in *Alastor* :

*"Oh, that the dream
Of dark magician in his vision'd cave,
Baking the cinders of a crucible
For life and power: even when his feeble hand
Shakes in its last decay: were the true law
Of this so lovely world!"*

Byron was famed for rubbing the tips of his satirical arrows with corrosive, scientific invective. In *Don Juan*, he writes,

*"When Newton saw an apple fall, he found
In that slight startle from his contemplation...
A mode of proving that the earth turn'd round
In a most natural whirl, called 'gravitation',
And this is the sole mortal who could grapple,
Since Adam, with a fall or with an apple".*

Elsewhere he continues :



mistakes please! I committed a foul at the end which cost us the game. It was unfortunate and a black day for me.

There have been countless happy moments when friends have helped me out of a dilemma, shared problems and laughter. I have made friends for life, of that I am sure. I will always strive to uphold the school's dignity and make a mark in the world.

These are the last few months of my education at Sem. Sometimes I think Sem has changed. But when I see the towers silhouetted against the night sky, the expanse of the first field, the quadrangle flanked by sturdy structures, I am reminded of the first time I saw the School. It seems then that nothing has really changed, nor will it change as long as our values and traditions live.

Anuj Ghosh
Class - 10

THE NUCLEAR DEAL WILL NOT BENEFIT INDIA

Inter School Debate, 2008

The Nuclear Pact with America is as dangerous as a detonation and, you will agree it will adversely alter the political, economic and social texture of India.

July, 2003 was ill-fated for India for then our Prime Minister and the U.S. President agreed in principle to a civilian nuclear co-operation deal. This heralded an era of strategic ties with America through, what I believe, was a 'bad nuclear deal'. On August 1, 2008 the International Atomic Energy Agency passed India's safeguard pact. This means that the IAEA will have the right to ensure that any nuclear materials used in reactors is for civilian purposes only. The 123 Agreement cannot be considered in isolation from the Hyde Act (December, 2008), which governs Indo-US relations and also emasculates the very concept of Independence. Its conditions stipulate that America can take away India's fuel if the agreement terminates.

My esteemed opponents will harp on the deal providing India energy security through the setting up of nuclear plants, but we can't be blind to the fact that nuclear energy is not clean energy. A 1000 MW reactor, operating at 90% capacity, will emit the equivalent of 1,427 tonnes of CO₂ a day. This is a horrendous situation, you all will agree.

Indigenously built nuclear reactors cost rupees eight crores per MW, while imported nuclear reactors will cost ten crores per MW. Naturally electricity provided by American plants will be less expensive by the time it reaches the consumer. More important it will not contribute more than 7% of our energy requirement, though the target is an ambitious 25%! So is the deal worth? It isn't.

Thorium produces 330 times more energy than scarce and expensive uranium. If we utilize the 150 billion dollars for the deal in developing technology for the abundant thorium reserves of our country, we'll definitely have enough energy without any outside help.

India not being a signatory to the nuclear non-proliferation treaty was excluded from access to nuclear plants or materials. But the waiver has solved this problem and also proved the ominous might of America. However, we'll now be drawn into close military alliance with the USA. We'll engage in joint operation and exercises, purchase their weapons and allow American armed ships and planes to come to India for refuelling and maintenance. But we don't want American companies to take away our agricultural markets for seeds and pesticides. Indian farmers will be marginalized. All this will be implemented once the nuclear deal is through.

The 30 new reactors India will commission will cost us much and will benefit mainly American companies such as Westinghouse Electric. Once the deal is signed

America will not want us to strengthen ties with countries in western and central Asia which are the major centres for oil and gas.

There are bigger issues than nuclear energy to be tackled. There are persistent life and death problems facing the people. World class airports, shopping malls are in the true India where people live on pavements, go hungry to bed, are illiterate and don't know what the nuclear deal means, and wouldn't care for it, if they did.

It's a matter of time and the nuclear agreement will be implemented but after over 60 years of independence we would have shackled India once again to the dictates of a foreign power.

Kritarth Patel
Class - 10

THE MAN FROM THE WEST

I returned from the jungle to be with my tribe. Most of my companions were sitting beside the fire. I saw a new face in the gathering. Curious, I went up to him and asked, "Where do you come from, traveller?"

"I come from the west. I would like to stay with you for a day", the man said.

"You are welcome to be our guest. You must have experienced great adventures throughout your journey. Pray do recount a few", I requested out of politeness.

"I can tell you of a man who was noble and brave," the stranger began. "He was my master, enemy and friend. He had fought and won many battles and contrived the death of one of the greatest generals in the world." The narrator sighed and continued, "My master's friend was the cause of his death. It was a case of mistaken circumstances. My master asked for one last favour and then to enjoy freedom...."

"I am sorry to interrupt you", I said, unable to stifle a yawn. "Let me know your name. It will suffice for tonight."

"Oh! Sorry for being so long winded. I am Pindarus, the traveller."

Akashdeep Kalia
Class - 10

AN AUTOBIOGRAPHY

My home is all over the earth. You'll find me near your house too. I reside amidst greenery. I am small, green and sour. You drink my life-blood by mixing it in water when you are tired and immediately feel refreshed. I am, moreover, rich in Vitamin C. Can you guess who I am? You are right – I am a little yellow sour lemon.

I was born in June and I live happily with family and friends. My father has become old but he cares for me and loves me. I cannot move but my friend, the wind, makes me move to and fro. He collects rumours and gossips and relates them to me.

I have an uncle who feeds me and cares for me. I am his favourite fruit. He was the first one I saw when I was born. My parents warn me of his cunning ways. I can't believe that of the man who daily waters my roots and often I end up arguing in his favour with my parents.

Two months have elapsed and I'm bigger in size, juicier and more mature. I miss my father. It was tragic watching him fall and get buried under the mud.

I have always been nervous of aunty, uncle's wife, with her sharp shrewd eyes. Early in the morning one day, I saw her approaching with a sharp knife. She cut me off my mooring and dumped me in a heap with others of my ilk. We were sent to a city and stored in a very cool place indeed, where I stood upright, shivering and teeth chattering. Another aunty took us out. She looked kinder. We felt more comfortable for there was not so cold. I thought all was well, till aunty arrived with the sharpest of knives and sliced me and the other lemons even as we screamed in agony.

My quartered torso was shoved into a large earthen container. Worse was to follow as the diabolic aunt sprinkled salt and pepper over my raw bleeding parts. I am dying everyday, gradually. The only blessing is I am not alone. Today, I think, is my last day and even as I lose consciousness I can hear aunty say, "The pickle is ready!"

Harmeet S. Bedi

Class - 10B

THE ENGLISH LANGUAGE

The English language really confuses me. Many words equivocate and hence make me think.

A cricket is an insect but while playing it is a game. How can a day be as hot as hell and another as cold as hell? 'Minute' on the one hand is equal to sixty seconds and on the other hand is extremely small. How is a cold person bated and not a cool person? We can 'wear' as well as 'hear' a band. We can even tenderly tender something or bear a bear's rage.

I think these instances are enough to support my statement and would make you ponder upon this strange language - English.

9

Compiled by

Akash Deep Kohli

Class - 10B

FOOTBALL

Played around the world,
The ultimate ball game,
Enjoyed by all
Is the perfect definition of football.

A game played eleven to a side,
Very competitive but no one can fight.
There are ninety minutes to savour
Both by spectators and players.

The aim is to find the goal
Which lies between two poles.
Those who play with heart and soul
Are the ones likely to get a goal.

Football is an obsession,
Players try to keep the ball in possession.
For quite a time span
It's man against man.

Try to pass and score
And enjoy goals galore.
Remember not to play football
Else you will get a card.

As the end draws near
The players sweat and supporters fear.
Then the referee's whistle blows
And the game ends with an applause.

Anuj Ghildia
Class - 10

Every good act is charity. A man's true wealth hereafter is the good that he does in this world.

—Epicurus

A SIDE GLANCE

When we give life a side glance, we tend to think of it as one happy odyssey and, as we have the privilege of living once, we decide to enjoy it to the maximum without any worry deterring us. However, H.W. Longfellow has rightly said that life is real and earnest. It follows we must take it seriously.

Frankly, we expect much from life. We desire palatial houses, sumptuous food and nothing but a Mercedes and a Ferrari will do. But do we consider where we stand? We should possess the capability to fulfil our dreams. Many of us think that we can improve and polish our talents and emerge victors one day - just because a few thousand people have done so. Unfortunately, the majority of us make up the 6 billion ordinary people while the few thousand lucky people stand apart. If it was so easy to become rich, 1.25 billion people would not be living in poverty. It doesn't mean we shouldn't strive for the best, but we should also accept our limitations and not end up frustrated and bitter.

It is true, to some extent, participation is more important than winning. But participation without capability, confidence, the will to win and diligence is of no value. When even nature has not made anything perfect, then how can we think we are so efficient that we will be perfect in the first take! The secret of perfection in participation is to first practise and to try and try again till we are ready to face the camera.

When I say try and try again, it doesn't mean one spends one's entire life trying. When one is not arriving, despite all efforts, it is wiser to step, not back, but in a different direction. We should then opt for a new field - as teenagers we can afford it. Don't keep chasing the ball, try some other game or activity which interests you.

Teenagers are the most dissatisfied souls on this planet. We are whimsical and our likes and dislikes change so fast that it is difficult to say what is our favourite. Our wisdom is limited and therefore we often misunderstand situations or ask questions thoughtlessly. Sometimes we ask why India does not win many medals in the Olympics even when it has the second largest population in the world. But why don't we consider the 400 million people in the country living below the poverty line? We should not only have expectations but also accept dark realities. It is said our education system is defective for it imparts only bookish knowledge and demands that teachers also give extra knowledge. But friends, we can't cope with our books, then how will we manage our extra knowledge? Teachers should make lessons interesting but they should first complete our course.

We youngsters have to learn to differentiate between dreams and reality. Don't step back because the world is not perfect but move forward to make it a better place.

Rohit Jain
Class - 10B

BILLIARDS

I have been playing billiards and snooker for almost two years now. I have learnt a lot from various sources. I first learnt to play in Naini. Playing the game is like a legacy, from my grandfather, father and my uncles – all keen players. I joined the school Billiards Club in 2007.

Our coach, Mr. Palmer, has taught me many techniques. I still remember it was my birthday and I was gifted a cue by my parents. I became addicted to the game. I had to make excuses at home every Thursday and when I came late, I was thoroughly interrogated. I had to face the music every Thursday for missing my tuitions that day. However, it was fun, sheer fun!

Then the day of the tournament came. I won a silver medal and lost the gold by one point. That is luck!

In 2008 I honed my skills. Our coach has taught us such expert shots that now if I play in a club my opponents ask me where I learnt them and it is always good to say 'Sem'.

Now in this year's tournament I was not that lucky but I am very happy that my dearest friends did win. I wish all my juniors good luck and happy playing hours.

Now I have promised that never again will I play billiards and snooker, not because I did not win but because I have played enough and must concentrate on other things. I thank Mr. Palmer and my school for giving me such an opportunity and so many unforgettable memories. Thank you all.

Yuvraj Singh Tomar
Class - 10B

THE BIGGEST EVER.....

On looking at the dark night sky covered with stars and the moon, we always wonder what is there. One question that haunts us is whether living beings like us exist. Exploring space, has always been of interest to all of us. The space age, picked up pace in the 20th century, with the Soviet's successful launching of Luna 9. After this the Americans launched the first successful manned mission to the moon, Apollo 11. Because of this America occupied a very important position in the Space Revolution. The countries advanced in space technology collaborated and formed an International Organization of Scientists. These scientists researched how the Universe came into existence and later derived the 'Big Bang' theory. According to this theory the Universe started from a point which was as small as a grain of sand. Later due to tremendous heat and pressure, concentrated at a point, it grew out into a huge magnetic cloud, which exploded releasing an enormous amount of energy, which took the shape of galaxies and nebulae. After long tedious work these scientists

arrived at a conclusion, and it was the Large Hadron Collider (LHC). This is a huge particle accelerator, 100m below the surface of the earth, lying on the border of France and Switzerland. Most of it is in Geneva, Switzerland. This is 17-miles long and weighs 38,000 tonnes. There are 9,300 superconducting magnets in it, which become operable, when cooled to -271.8°C , using 10,000 tonnes of liquid Helium. Scientists claim that LHC, Big Bang can recite, but on a very small scale. The LHC consists of two pipes containing proton beams, enclosed within super-conducting magnets. This beam will be released from the pipes, in opposite directions, clockwise, counter clockwise and will travel parallel to each other. When the protons will reach the speed of light upto 99.99%, the LHC will cause a collision of the two beams where there will be detectors, connected to the world Computer Grid Network. The particles formed will be recognized by the scientists, when they study their behaviour. The only dangerous problem is the Hawking radiation (collision of the two beams), because it can lead to the formation of a micro-black hole, which is as tiny as the nucleus of an atom. Most probably, the likelihood of this event is not even 2% because when the earth came into existence and its atmosphere was forming, the fastest moving cosmic rays collided with the atmosphere forming new particles, but not a black-hole, and that collision was on a much bigger scale as compared to the LHC.

According to the scientists if this experiment is successful, then we will come to know about 75% of the Universe. The mystery of Higgs Boson or 'God Particle' which gives mass to different particles will be solved and also of Dark Matter and Anti-Matter which dominate about 70% of the Universe.

Akshay K. Pandey
Class - 10B

THE INDO-US NUCLEAR DEAL WILL BENEFIT INDIA

There is a political storm in the country; it is a storm that has created a sharp polarization. Charges and counter-charges are echoing in parliament. Some say that there is a quid-pro-quo that can impinge on our once-famous sovereign non-aligned credentials, others see India emerging as a superpower by striking a great 'deal' with the US. Is the deal really as good as it promises to be?

I am here to assert my view that the Indo-US deal is beneficial for India. The Indo-US Deal has created some political fission, a little fusion and definitely a whole lot of all round confusion. The deal finds mention in all types of mass media-from newspapers to television news channels. However, all that I could hear or see being talked about mainly highlighted the political aspect of the deal. Seldom did I find the deal itself scrutinized by a panel of experts. Today, however, I plan to change all that. For once, today it would be about the deal and not about the UPA or the Left.

The government of India and that of the US has laid down the basic aims and objectives of this deal. Its aim is to cooperate extensively in the field of nuclear energy and to support the principles of the I.A.E.A. and its safeguard system. However, it makes it very clear that this cooperation would be standing on the pillars of sovereignty, equality, mutual respect for each other's nuclear programme and non-interference in each other's internal affairs. Yet, I find my worthy opponents here subject this deal to criticism on these very issues. The benefits of this deal are multiple and to mention each and everyone of them in this short duration of four minutes is well nigh impossible. The first and foremost benefit of this deal is that it will boost economic trade and prosperity. Subhash Chandra Bose had once observed that if there is anything that can promote a country's prosperity it is education and energy. And with the additional energy that this deal promises to provide, India is sure to emerge as one of the most, if not the most, prosperous country in the world. Often I hear people who are up in arms against the nuclear deal ask why we need nuclear energy when we have an abundant supply of coal. This is proof of how preconceived notions can obstruct rational thinking. Nuclear energy is by far the cleanest source of energy with minimal emission of air pollutants. Yes, there is radioactivity but the Indo-US nuclear deal even has provisions for that. To my worthy opponents I say that if you are so preoccupied with the idea of safeguarding the sovereign status of our country, why do you fail to realize that a country is not sovereign so long as its people are not sovereign and free of basic problems like poverty and starvation? I came here not to condemn what you say but here am I to lay before you plain, simple and bare facts. The deal grants India certain privileges. India can now participate in nuclear trade and this ends the 34-year-old nuclear isolation that prevented India from participating in any nuclear programme, not only will we advance in the field of nuclear technology and fulfil our energy needs but we will also boost the development of sectors like IT, pharmaceutical and aeronautical space sciences.

To conclude I would like to say that this deal is not jeopardizing the interests of the people of India and you may rest assured that courtesy this deal your children will not have to face the same problems of energy crisis which loom so large over the horizon today. Let the India the freedom fighters envisaged become a reality and let India awaken into a country where people do not have to live in fear of starvation and poverty. This deal has the potential to revolutionize our country so let this change for the good of India be welcomed with open arms.

(2nd position, Inter-School Debate-2008)

Dear Mr. Emmanuel,

It was indeed very gracious of you to have received me, along with my wife and son, in your chambers when we visited Sem in June. Although Naini Tal has changed considerably over the years Sem remains the same with its awe inspiring environs, clean interiors and sprightly young students. I had left Sem in 1961 after ISC and it was good to be back. The icing on the cake was the meeting with my former Principal, Br. Fitzpatrick. "I remember" he said, "you had come from Meerut". Four decades vanished in moments. We talked about classmates and he remembered each one as if it were yesterday. Old bonds never to be broken. Such were the teachers of Sem and they remain so even today.

After having left Sem I studied at the University of Allahabad from where I did my post graduation in Political Science and entered the Indian Administrative Service in 1968. Having served in various capacities in the state of Karnataka, and the Government of India I retired as the Union Home Secretary in March 2005. I am presently a Member of the Commission on Centre-State Relations since April 2007. The Commission is headed by former Chief Justice of India, Justice M. M. Purichhi.

I enclose a photograph taken with Br. Fitzpatrick in front of the then ISC school room.

With warm regards,

Sincerely yours,



DHIRENDRA SINGH

